dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक दीनबन्धु

राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, बुधवार
30.04.2025
वर्ष : 13
अंक : 140
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

आज से शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून ■ एजेंसी

अक्षय तृतीया पर गंगोत्री और यमुनोत्री जी के कपाट खुलने के साथ ही बुधवार से पवित्र चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। चारधाम यात्रा, उत्तराखंड की आर्थिकी में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। यात्रा से होटल, लॉज संचालक, परिवहन कारोबारियों से लेकर घोड़े खच्चर संचालकों तक की आजीविका चलती है। इसी क्रम में केदारनाथ और यमुनोत्री पैदल मार्ग पर इस बार 4300 से अधिक घोड़े खच्चर संचालक अपनी सेवा देंगे। केदारनाथ धाम जाने के लिए तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड से करीब 18 किलोमीटर लंबा पैदल रास्ता तय करना पड़ता है। इस कारण बड़ी संख्या में

लाखों लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

यात्री घोड़े-खच्चरों की सेवा लेते हैं। इस बार केदारनाथ धाम के लिए अब तक 2493 संचालकों ने पांच हजार से अधिक घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण करवा लिया है। पशुपालन विभाग ने स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर घोड़े खच्चरों का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किए हैं। विभाग की ओर से सोनप्रयाग, गौरीकुंड, लिंचौली और केदारनाथ में पशु चिकित्सालय बनाए जाने के साथ ही पांच डॉक्टर और सात पैरावेट भी नियुक्त किए गए हैं। पैदल मार्ग के 13 जगहों पर गरम पानी की भी व्यवस्था की गई है।

प्री पेड काउंटर से बुकिंग

केदारनाथ के लिए सोनप्रयाग, गौरीकुंड, भीमबली, लिचौंली और रुद्र प्वाइंट में पांच प्री पेड बुकिंग काउंटर बनाए गए हैं। इसी तरह यमुनोत्री के लिए जानकीचट्टी में जिला पंचायत के द्वारा प्रीपेड काउंटर स्थापित किया गया है। यमुनोत्री के लिए घोडे-खच्चर संचालकों को नंबर युक्त जैकेट प्रदान की जा रही है और एक दिन में केवल एक ही बार धाम तक आवागमन की अनुमति होगी।

ब्रीफ न्यूज

बांद्रा के स्कायर मॉल बिल्डिंग में आग लगी, शोरूम जलकर खाक

मुंबई। मुंबई से लगे बांद्रा में मंगलवार को स्कायर मॉल बिल्डिंग में आग लग गई। आग 4 मंजिला मॉल के बेसमेंट में स्थित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम मे लगी, जो धीरे-धीरे चौथे फ्लोर तक पहुंच गई। सुबह 4 बजकर 10 मिनट पर लगी आग अब तक नहीं बुझाई जा सकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर ब्रिगेड की 13 गाड़ियां और NDRF की टीम लगी है।नगर निगम प्रवक्ता ने बताया- घटनास्थल पर किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन सावधानी के तौर पर मॉल के बगल वाली इमारत को खाली करा दिया गया है।निगम अधिकारी ने बताया कि आग शुरू में बेसमेंट तक ही सीमित थी, लेकिन बाद में यह इमारत की ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। इमारत से निकलता घना काला धुआं दूर से ही दिखाई दे रहा था। मुंबई फायर ब्रिगेड के प्रमुख रवींद्र अंबुलगेकर और फायर ब्रिगेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

अहमदाबाद में बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर एक्शन

अहमदाबाद। अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में मंगलवार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात पुलिस ने सोमवार रात से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। यहां 50 बुलडोजर और 36 डंपर लगाए गए हैं। अब तक की 2000 वर्ग गज यानी 18 हजार वर्ग फुट में फैले क्षेत्र के अतिक्रमण को साफ किया जा चुका है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसओजी, साइबर क्राइम और एसआरपी की टीमें इलाके में तैनात हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्टे की याचिका खारिज की हाईकोर्ट में इस मेगा डिमॉलिशन पर स्टे लगाने की याचिका दाखिल की गई थी। लेकिन, इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। यहां रहने वाले लोगों ने याचिका में कहा था कि कानूनी प्रक्रिया और नियमों का पालन किए बिना तोड़फोड़ की जा रही है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया था कि यहां रहने वालों के बांग्लादेशी होने के ठोस सबूत नहीं हैं। इस मामले में 18 लोगों की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं में ज्यादातर महिलाएं थीं। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

राम मंदिर का निर्माण 5 जून को पूरा होगा

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया- मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि, श्री वशिष्ठ जी, अहिल्या जी, निषादराज महाराज, शबरी माता और अगस्त्य मुनि के मंदिर भी 5 जून के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मंदिर के परकोटे पर बने राम दरबार और छह मंदिरों की पूजा 5 जून को होगी। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय 5 जून के कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। मंदिर निर्माण पूरा होने यानी 5 जून के एक-दो दिन बाद श्रद्धालु सभी अलग-अलग मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वजदंड भी लगाया गया है। अब दंड के सबसे ऊपरी हिस्से पर ध्वज लगाया जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट होगी। ध्वजदंड का वजन 5.5 टन है

मोहन कैबिनेट 7.30 लाख कर्मचारियों को अब 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता

प्रदेश में 30 मई तक होंगे तबादले, प्रतिबंध हटा

स्वैच्छिक तबादलों समेत मंत्री तय करेंगे कर्मचारियों का स्थान

भोपाल ■ विशेष संवाददाता

मध्यप्रदेश में 1 मई से 30 दिन तक कर्मचारियों के तबादले हो सकेंगे। मंगलवार को डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने तबादला नीति को मंजूरी दे दी। इसमें स्वैच्छिक तबादले भी शामिल है। विभाग खुद भी पॉलिसी बना सकेंगे। इसके लिए जीएडी(सामान्य प्रशासन विभाग) से अनुमति लेना होगा।नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि 30 मई तक ई-ऑफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को भी इसका अधिकार दिया गया है। उनसे कहा गया है कि वे 30 मई से पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। मंत्री ने कहा कि सरकार ने तबादलों की प्रतिशत सीमा में स्वैच्छिक तबादलों को इसलिए जोड़ा है ताकि कुल पदों के हिसाब से तबादले का

प्रतिशत बना रहे। अगर स्वैच्छिक तबादलों को अलग रखा जाएगा तो कुल पदों की संख्या के प्रतिशत से यह अधिक हो जाएगा। इसलिए कैबिनेट ने तय किया है कि स्वैच्छिक तबादलों को भी पदों के आधार पर तय तबादला संख्या और प्रतिशत में जोड़ा जाएगा।

चंबल में लगेगा 3000 मेगावाट का सोलर प्लांट

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार का ग्रीन एनर्जी पर फोकस है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा।

यूपीएस के लिए 6 अफसरों की कमेटी बनी

केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन योजना(यूपीएस) के लिए छह अधिकारियों की कमेटी बनी है। यह कमेटी कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रूप पेंशन स्कीम का प्रस्ताव तैयार करेगी। इस कमेटी में अशोक बर्णवाल, मनीष रस्तोगी, लोकेश जाटव, तन्वी सुद्रियाल, अजय कटेसरिया, जेके शर्मा इस कमेटी में शामिल हैं। कमेटी केंद्र सरकार की गाइडलाइन का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी।

एकीकृत पेंशन योजना के लिए समिति गठित

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना(यू.पी.एस) लागू करने के संबंध में एक समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल अध्यक्ष, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, सचिव श्री लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल, उप सचिव श्री अजय कटेसरिया, सदस्य होंगें। समिति में अंकित अधिकारियों के स्थानांतरण अथवा सेवानिवृत्ति अथवा अन्य कारणों से उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में समिति के सदस्यों में आंशिक परिवर्तन करने के लिए वित्त विभाग के भार साधक सचिव को अधिकृत किया गया है।

पहलगाम हमले का बदला अब होगा पुरा?

हमले का तरीका, टारगेट और समय सेना तय करे...

तीनों सेना प्रमुखों के साथ हाई लेवल मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी ने दी खुली छूट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह बैठक उस समय हुई है, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है।पीएम मोदी ने वादा किया है कि इस हमले के पीछे जो आतंकवादी और उनके मददगार हैं, उन्हें दुनिया के आखिरी छोर तक ढूंढ कर कल्पना से परे सख्त सजा दी जाएगी। यह पाकिस्तान की ओर इशारा माना जा रहा है, जिसका भारत में आतंकवाद फैलाने का इतिहास रहा है। इससे पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। यह बैठक उस दिन हुई, जब सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने राजनाथ सिंह को पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिए गए कुछ फैसलों की जानकारी दी।

भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर आज से बंद, 786 पाक नगारिक वापस लौट

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की तरफ से लिए गए फैसले के अनुसार आज से भारत-पाकिस्तान के बीच बना अटारी बॉर्डर पूरी तरह से बंद हो गया है। आज शाम 5 बजे के बाद कोई पाकिस्तानी नागरिक इस बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान नहीं गया और अगले आदेश तक न जा सकेगा।भारत से कुल कितने पाकिस्तानी अटारी के रास्ते वापस रवाना हुए हैं, इसका आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। लेकिन जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल से आज तक लगभग 786 पाकिस्तानी वापस गए हैं। अनुमान था कि आज दोबारा भारत सरकार पाक नागरिकों को वापस जाने को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसके बाद 5 बजे के बाद आने वाले पाक नागरिकों को अटारी बॉर्डर के इमिग्रेशन विभाग ने वापस भेज दिया।इसी दौरान जम्मू-कश्मीर की कदुआ पुलिस भी कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर अटारी बॉर्डर पहुंची थी। लेकिन 5 बजे से अधिक समय होने के कारण इमिग्रेशन विभाग ने उन्हें रिसीव करने से मना कर दिया। जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस उन्हें वापस ले गई।

पीएम मोदी बोले-टैलेंट, टेम्परामेंट और टेक्नोलॉजी भारत का भविष्य बदलेगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ट्रूवरू कॉन्क्लेव में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि टैलेंट, टेम्परामेंट और टेक्नोलॉजी ही भारत के भविष्य को ट्रांसफॉर्म करेगी। हमारा मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भारत के लिए मददगार बनाना है। मोदी ने कहा, हमें भविष्य की हर तकनीक में भारत को दुनिया में सबसे बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। भारत में दुनिया के टॉप संस्थानों के कैंपस खुलने की शुरुआत हो चुकी है। अब विदेशों में

हमारे प्रमुख संस्थानों के कैंपस खुल रहे हैं।प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 साल की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हमारे विचार से लेकर प्रोटोटाइप तक का सफर भी कम से कम समय में पूरा हो। YUGM कॉन्क्लेव का मकसद इनोवेशन का एक इकोसिस्टम बनाना है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश को रिसर्च के क्षेत्र में बढ़ावा दिया जा सके। कॉन्क्लेव के जरिए गवर्नमेंट, एकेडेमिया, इंडस्ट्री और इनोवेशन क्षेत्र के प्रमुख लोगों को एक साथ लाना है। इसके लिए कॉन्क्लेव में हाई लेवल मीटिंग्स और पैनल डिस्कशन होंगे। इनमें सरकारी अधिकारी, प्रमुख उद्योगपति और शिक्षाविद शामिल होंगे। साथ ही कॉन्क्लेव में इनोवेशन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए करीब 1,400 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा- व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि जानकारी किस हद तक साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

एमपी में 6 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट, उज्जैन, ग्वालियर और चंबल गर्म रहेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी, 2 मई तक बारिश का अलर्ट है। पूर्वी और दक्षिणी हिस्से जैसे- नर्मदापुरम, रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को पूर्वी हिस्से के 6 जिलों में बारिश हो सकती है। इनमें शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। मौसम विभाग ने आज शाम या रात में सिवनी, दमोह, सिंगरौली, अनूपपुर और पन्ना ओलावृष्टि होने, 60 किमी प्रतिघंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान जताया है। वहीं, रीवा, कटनी, शहडोल, नरसिंहपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सतना, सीधी और मंडला में आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है।

पाकिस्तान फिर हुआ बेनकाब

पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड निकला आतंकी हाशिम मूसा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. सुरक्षा एजेंसियों ने हमले के मास्टरमाइंड की पहचान कर ली है. यह आतंकी कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़ा कुख्यात आतंकवादी हाशिम मूसा है. हाशिम मूसा उन चार आतंकवादियों में भी शामिल जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया था और 26 निर्दोष लोगों को गोली मार दी थी. सूत्रों के

अनुसार, दावा यह भी किया जा रहा है कि इस हमले की पूरी साजिश पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के निर्देश पर रची गई थी. ISI के इंडिया डेस्क प्रमुख ब्रिगेडियर खालिद शहजाद और ISI प्रमुख आसिम मलिक के साथ-साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तक इस साजिश में शामिल थे.

परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में विधायक शर्मा व महापौर ने महाआरती की

भोपाल. भगवान परशुराम जयन्ती के उपलक्ष्य में चूना भट्ठी चौराहे पर आयोजित महाआरती कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा व महापौर श्रीमती मालती राय ने सम्मिलित होकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री पी.सी.शर्मा, पूर्व निगम परिषद अध्यक्ष श्री कैलाश मिश्रा, पूर्व पार्षद श्री गिरीश शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

पीएम मोदी की गायब तस्वीर पर गरमाई सियासत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भाजपा ने कांग्रेस की एक पोस्ट के खिलाफ पार्टी पर हमला बोल दिया है. बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस को जमकर आड़े हाथ लिया है. कांग्रेस की ओर से एक फोटो और बयान जारी किया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संकट के समय 'गायब' नेता के रूप में दर्शाने की कोशिश की गई है. बीजेपी की आईटी इकाई के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक्स पर लिखा ÷कांग्रेस ने 'सिर तन से जुदा' वाली फोटो का इस्तेमाल करके कोई संदेह नहीं छोड़ा है. यह महज एक राजनीतिक

बयान नहीं है. यह मुस्लिम वोट बैंक को निशाना बनाने और प्रधानमंत्री के खिलाफ परोक्ष तरीके से उकसावे वाला काम है कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में प्रधानमंत्री की किसी पुरानी तस्वीर को उनके नाम के बिना दिखाया गया है जिसमें केवल परिधान दिखाई दे रहे हैं और शरीर दिखाई नहीं दे रहा है.

ब्रीफ न्यूज़

दांतों में खाना फसने पर काला नमक पानी में मिलाकर कुल्ला करें: डॉक्टर शिखा

भोपाल। दांतों की सुरक्षा और सफाई के उद्देश्य से सकलपर्णा समूह ने नेहरू नगर के ए.वी,एम,हायर सेकेंडरी स्कूल में आज एक डेंटल कैंप का आयोजन किया जिसमें तथास्तु हॉस्पिटल के डॉक्टर ने अपनी सेवाएं प्रदान करी। स्कूल के 50 बच्चे और शिक्षिका सकलपर्णा समूह की सदस्य अध्यक्ष श्रीमती अनीता सक्सेना, कुमकुम गुप्ता लेखिका संघ की अध्यक्ष, उषा चतुर्वेदी, श्यामा गुप्ता , चित्रा चतुर्वेदी और सुधा दुबे के संयोजन में यह डेंटल चेक अप कैंप पूर्ण हुआ ।इसमें स्कूल की प्राचार्य वंदना सेन और तथास्तु की डॉक्टर शिखा, मैनेजर प्रतिमा सिहॅ की मुख्य भूमिका रही तस्थातु से आये डॉक्टर ने बच्चों का चेकअप किया और उन्हें दांतों की सफाई, ब्रशिंग और पेस्ट के बारे में जानकारी दी वे चॉकलेट खाएं परंतु चॉकलेट खाने के तुरंत बाद दांतों पर ब्रशिंग जरूर करें इससे दांतों की उम्र लंबी होती है साथ ही दांतों में खाना फंसने पर काले नमक को पानी में मिलाकर उसके कुल्ला करने की भी सलाह दी । सकलपर्णा की सदस्यों और स्कूल के कर्मचारी, शिक्षक स्टाफ ने भी अपना चेकअप कराया और आगे चेकअप कराने पर फ्री एक्सरे आदि की भी सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। फ्री पेस्ट भी वितरित किया। स्कूल की प्राचार्य वंदना सेन ने पूरी टीम का आभार माना और अगला कैंप जुलाई में लगाने का आश्वासन भी लिया।

स्कूटी सवार महिला को ट्रक ने कुचला, सड़क पर बिखरे सिर के टुकड़े

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना इलाके में बीती शाम बाजार से सामान खरीदकर लौट रही स्कूटी सवार महिला को ट्रक ने कुचल डाला। हादसे में महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था की ट्रक के नीचे आने से महिला के सिर के टुकड़े सड़क पर बिखरे गये। मिली जानकारी के मुताबिक शारदा विहार कॉलोनी में रहने वाली रश्मि देवी अहिरवार (33) पति सुरेंद्र कुमार अहिरवार सोमवार शाम को घरेलू सामान खरीदने के लिये दो पहिया वाहन से बाजार गई थी। सामान खरीदकर वापस घर लौटते समय करीब साढ़े 6 बजे एक ट्रक ने रश्मि के वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा सीसीटीवी में कैद हुआ है, फुटेज में नजर आ रहा है, की तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को ओवरटेक करते हुए रश्मि के दो पहिया वाहन को अपनी चपेट में लिया है। सिर में घातक चोट लगने से रश्मि की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद एक युवक ने मृतका के फोन से उनके पति सुरेंद्र कुमार अहिरवार को हादसे की सूचना दी।

शासकीय उ.मा. सेमरा में बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया

भोपाल। शासकीय उ.मा. सेमरा कला, भोपाल में 21अप्रैल से 29 अप्रैल तक कक्षा-01 से 08 तक के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 बच्चे शामिल हुए। समर कैंप में बच्चों ने स्टोन पेंटिंग, ग्रीटिंग कार्ड, अर्थ डे के अवसर पर पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखते हुये पोस्टर बनायें। बिग बुक का निर्माण, बिस्कीट, टॉफी, टूथपेस्ट् के खाली रेपर्स का उपयोग करके रेपर्स पोस्टर बनाए गए और इसका उपयोग पढ़ने लिखने में कैसे करें इस पर काम किया गया। बाल अखबार में बच्चों ने रिपोर्टर बनकर प्राचार्य का साक्षात्कार लिया इसके अलावा कहानी, कविता और जानकारियों से भरपूर अखबार निकाले जिसमें भाषा, गणित और विज्ञान से संबन्धित जानकारियां भी शामिल की गई। कैंप के समापन अवसर पर स्थानीय पार्षद श्रीमति गौरी पाठक, श्री नितिन पाठक, प्राचार्य श्रीमति शीजा जॉन्सी, भानपुर हाई स्कूल के प्राचार्य श्री योगिराज परते, स्कूल के शिक्षकगण के साथ ही अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से संदीप दिवाकर, भूमिका शर्मा और अरविंद जैन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जिसमें अंग्रेजी गाने के साथ ही नाटक मुंबई म्यूजीशियन की प्रस्तुति की गई। विगत आठ दिनों में बच्चों ने जो भी कार्य किए उनकी प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका अवलोकन पालक और अतिथियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रजनी पाटिल ने किया।

महापौर ने संगीतमय सुन्दरकांड में सम्मिलित होकर की पूजा अर्चना

भोपाल। महापौर मालती राय विश्व ब्राह्मण समाज संघ महिला शाखा द्वारा आयोजित संगीतमयी सुंदरकांड में सम्मिलित हुई और विधिवत पूजा अर्चना की। महापौर श्रीमती मालती राय ने सोमवार को तुलसी नगर स्थित नर्मदीय भवन में विश्व ब्राह्मण समाज संघ महिला शाखा द्वारा आयोजित संगीतमय सुंदरकांड में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की और धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आयोजन समिति की सदस्यगण व श्रद्धालुजन मौजूद थे।

स्कूल द्वारा मौके पर ही दी गई टीसी, कक्षा-11वीं में आसानी से हो सके दाखिला जनसुनवाई में 125 आवेदन प्राप्त हुए

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की निर्देशन में मंगलवार को एडीएम श्री भूपेंद्र गोयल, श्री प्रकाश नायक एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 125 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में एडीएम श्री गोयल ने एक साथ फीस जमा करने में असमर्थ ईदगाह निवासी - श्री दीपक शिवलानी

की पुत्री कक्षा-10वीं की टीसी दिलाई एवं फीस कम कराकर आगामी 3 माह में स्कूल को फीस किश्तों में जमा कराने के दिए निर्देश। स्कूल द्वारा मौके पर ही दी गई टीसी ताकि कक्षा-11वीं में आसानी से हो सके दाखिला। श्री दीपक शिवलानी ने बताया कि मेरे पुत्र/पुत्री कक्षा-5वीं एवं कक्षा-10वीं में खालसा हाई सेकेंडरी शाहजानाबाद, भोपाल में अध्ययनरत है। विगत सत्र में बच्चों की फीस जमा करने में असमर्थ रहा तो स्कूल वालों ने कक्षा-11वीं एवं अन्य स्कूल में एडमिशन के लिए टीसी नहीं दे रहे थे। मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन किया तो एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्कूल से संपर्क कर फीस कम करने एवं किश्तों में राशि जमा करने के निर्देश दिए। स्कूल प्रतिनिधि द्वारा दसवीं के छात्र की टीसी दी गई एवं फीस भी कम कर आगामी माह की किश्त चैक के रूप में जमा कराने का निवेदन स्वीकार किया। एडीएम श्री गोयल, श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भोपाल गैस त्रासदी से पीड़ित क्षेत्र की कई कालोनियों का लिया सैंपल

पानी में हेवी मेटल्स जैसे कि मरकरी आर्सेनिक या पेस्टिसाइड्स है या नहीं होगी जांच

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

रिट याचिका क्रमांक 657/1995 रिसर्च फाउंडेशन फॉर साइंस , भारत संघ के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निदेर्शों के पालन में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा जारी आदेश के अनुक्रम में मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य या उनके प्रतिनिधि जिसमें श्री सुनीत अग्रवाल न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं श्री राकेश बजाज सहायक निदेशक गैस राहत एवं पुनर्वास, श्री गर्ग अधीक्षक यंत्री एवं जेड खान कार्यपालन यंत्री नगर निगम भोपाल एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पीएचई के अधिकारियों व याचिकाकर्ता की ओर से नामित सुश्री रचना ढींगरा द्वारा भोपाल गैस त्रासदी से पीड़ित क्षेत्र जैसे कि निशातपुरा शिव शक्ति नगर प्रेम नगर ब्रिज विहार कॉलोनी न्यू आरिफ नगर गरीब कॉलोनी कैची छोला

इत्यादि स्थानों पर निरीक्षण दिनांक 25 अप्रैल 2025 को किया था। आज शेष कालोनी/समुदायों का निरीक्षण किया गया जैसे संत कवरराम, चौकसे नगर, रंभा नगर, अहले अदीस मस्जिद शाहीन कॉलोनी,न्यू कबाड़खाना, दुलीचंद का बाग, एकता नगर,राजगढ़ कॉलोनी, रिसालदार कॉलोनी, करीमबाग,अटल अयूब नगर, शक्तिनगर, जेपी नगर, प्रीत नगर, शंकर नगर, श्रीराम नगर, नवजीवन कॉलोनी, टिंबर मार्केट कॉलोनी, छोला मंदिर, चंदन नगर, लक्ष्मी नगर,प्रताप नगर, पुनः नवाब कॉलोनी को नगर निगम द्वारा प्रदाय किए जा रहे पानी की स्वच्छता एवं गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। उक्त टीम द्वारा जांच हेतु पानी का सैंपल लिया गया। न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल द्वारा बताया गया कि जिन क्षेत्रों में नगर निगम द्वारा पानी नहीं दिया जा रहा है और ट्यूबवेल से पानी उपलब्ध है उन क्षेत्रों के पानी की जांच प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से करवाई जाएगी जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके की पानी में हेवी मेटल्स जैसे कि मरकरी आर्सेनिक या पेस्टिसाइड्स है या नहीं।

थाना अयोध्यानगर पुलिस की शराब तस्करों पर कडी कार्यवाही 2 शराब तस्कर गिरफ्तार

54 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त ,दूसरे जिलों से शराब लाकर खपाते थे भोपाल में

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

नगरीय क्षेत्र भोपाल मे अपराधों की रोकथाम एवं अवैध शराब तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी द्वारा लगातार निर्देश जारी किये गये है उक्त निदेर्शों के तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन-02 डॉक्टर संजय कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा अभियान चलाकर शराब तस्करो पर कार्यवाही करने हेतू दिये निर्देश पर अति.पुलिस उपायुक्त श्री महावीर सिंह मुजाल्दे के नित्य पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त एम.पी.नगर संभाग श्री अक्षय चौधरी के मार्गदर्शन में थाना अयोध्यानगर पुलिस ने 02 शराब तस्कर आरोपियों को गिरफ्तार कर 54 लीटर अवैध अग्रेजी शराब कुल कीमत लगभग 45000/- रुपये जब्त करने में सफलता प्राप्त की ।

घटना का विवरण: वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा मामूर मुखबिरो से सूचना प्राप्त हुई कि 02 लोग दूसरे जिले से अवैध शराब लाकर भोपाल में बेचते हैं, सूचना पर उक्त व्यक्ति को घेराबंदी कर पकडा गया जिन्होने अपना नामपता 01. मनीष साहू उर्फ गोलू पिता मदन लाल साहू उम्र 30 साल निवासी म.न.638 पुलिया के पास ओंमकारा सेवनिया इसरो थाना सूखीसेवनिया भोपाल व 02. अभिषेक श्रीवास्तव पिता नारायण सिंह

श्रीवास्तव उम्र 22 साल निवासी म.न.384 एफ-सेक्टर अयोध्या नगर भोपाल होना बताया, जिनके एल सेक्टर स्थित किराए के मकान से 06 शीलबंद पैटी अवैध शराब रखी हुयी मिली, प्रत्येक पैटी को खोलकर देखा गया जिसमें 180 एम.एल. जीनियस डीलक्स व्हिस्की के क्वार्टर व प्रत्येक पैटी में 50-50 क्वार्टर शीलबंद कुल 54 लीटर अवैध शराब (कुल कीमत 45,000/- रुपए लगभग) थी। आरोपागण के विरूद्ध अपराध क्रमांक-193/2025 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगण आदतन अपराधी हैं जिनके खिलाफ पूर्व में भी कई अपराध पंजीबद्ध हैं। पुछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि शराब तस्करी के लिये कुछ दिन पहले एल-सेक्टर अयोध्यानगर में किराये का कमरा लिया था तथा उसमें रायसेन जिले से कम दाम में अज्ञात ब्लेकरो से खरीदकर शराब भोपाल में बेचने हेतु लेकर आये थे।

टीकाकरण में उल्लेखनीय कार्य किया भोपाल की किरण मीणा नें

भोपाल। टीकाकरण जागरूकता के लिए चल रहे विश्व टीकाकरण सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मैदानी स्वास्थ्य कार्यकताओं के कार्यों का मूल्यांकन किया जा रहा है। जिसमें हितग्राहियों के मोटिवेशन, लाइन लिस्टिंग तैयार करने, ड्यू लिस्ट बनाने, यूविन पोर्टल में प्रविष्टि इत्यादि की समीक्षा की जा रही है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और शिशु टीकाकरण में उल्लेखनीय कार्य करने पर भोपाल के वार्ड 48 की एएनएम श्रीमती किरण मीणा के कार्यों और जज्बे की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन के अन्तर्राष्ट्रीय फोरम पर की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्विलेंस मेडिकल ऑफिसर डॉ एसएम जोशी के नेतृत्व में फील्ड भ्रमण के दौरान समय पर टीकाकरण, मातृ शिशु कार्ड में प्रविष्टि, यूविन पोर्टल में एंट्री एवं हितग्राहियों से चर्चा कर फीडबैक लिया गया है। मूल्यांकन में पाया गया कि श्रीमती किरण मीणा द्वारा अपने उल्लेखनीय कार्य किया गया है।

पृथ्वी और सूरज मिलकर बनाएंगे अद्भुत नजारा

आज होगी खास खगोलीय घटना 'दा विंची ग्लो'

भोपाल। अक्षय तृतीया की पावन संध्या पर बुधवार को आकाश में एक विशेष खगोलीय नजारा देखने को मिलेगा। 30 अप्रैल की शाम जब आप पश्चिम दिशा में चंद्रमा को निहारेंगे, तो वह अपनी सामान्य आकृति से कुछ अलग नजर आएगा। इस दौरान तेज चमक के साथ हंसिया कार चंद्रमा के साथ ही उसकी धुंधली परछाई में पूरा गोल चांद भी नजर आएगा। विज्ञान प्रसारक और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सारिका घारू ने इस दुर्लभ खगोलीय घटना की जानकारी दी। सारिका ने बताया कि इस अनूठी चमक को 'अर्थ शाइन' कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है जब चंद्रमा का अंधकारमय भाग भी पृथ्वी से परावर्तित सूर्य के प्रकाश से रोशन हो जाता है। यह दृश्य साल में दो बार ही नजर आता है। इस बार यह संयोग अक्षय तृतीया की शुभ तिथि पर बन रहा है, जो इसे और भी खास बनाता है। सारिका के अनुसार, आज चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी लगभग 3 लाख 63 हजार 897 किलोमीटर होगी और केवल 9.9 प्रतिशत भाग ही प्रत्यक्ष रूप से सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होगा। बावजूद इसके, चंद्रमा का पूरा रूप आंखों से साफ नजर आएगा, जिसका कारण है हमारी पृथ्वी की परावर्तन क्षमता।

महापौर हेल्प लाईन पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निदान सुनिश्चित करें: महापौर राय

महापौर राय ने महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा करते दिए निर्देश

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

महापौर मालती राय ने महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा करते हुए निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि महापौर हेल्प लाईन के माध्यम से प्राप्त नागरिकों की षिकायतों/समस्याओं का त्वरित निदान सुनिष्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान श्रीमती राय ने निगम अधिकारियों से लंबित षिकायतों के निराकरण के संबंध में चर्चा कर जानकारी प्राप्त की साथ ही अनेक षिकायतकताओं से दूरभाष पर वातार्लाप कर फीडबैक भी लिया। महापौर श्रीमती राय को इस दौरान अवगत कराया गया कि अप्रैल माह में वर्तमान तक कुल

2192 षिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 1756 षिकायतों का निराकरण कर दिया गया है और शेष के निराकरण हेतु कार्यवाही त्वरित गति से की जा रही है। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने हेल्प लाईन पर प्राप्त षिकायतों एवं उनके निराकरण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर उनके विभागों से संबंधित लंबित षिकायतों के साथ ही हेल्प लाईन पर प्राप्त होने वाली अन्य षिकायतों को भी और अधिक त्वरित गति से निराकृत करने के निर्देष दिए। इस दौरान महापौर श्रीमती राय ने अनेक षिकायतकताओं से भी चर्चा की और षिकायतों के निराकरण के संबंध में फीडबैक भी लिया। षिकायतकताओं ने उनकी समस्याओं/षिकायतों के घर बैठे ही समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए महापौर श्रीमती राय के प्रति आभार भी व्यक्त किया। महापौर राय को अवगत कराया गया कि अप्रैल माह में वर्तमान तक कुल 2192 षिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 1756 षिकायतों का निराकरण कर दिया गया है और शेष के निराकरण हेतु कार्यवाही त्वरित गति से की जा रही है।

त्रिवेणी योग में आज समृद्धि की अक्षय तृतीया

शुभ खरीददारी के लिए शहर के सराफा और बर्तन बाजार में रौनक

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पवित्र वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की समृद्धि भरीं तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व बुधवार को विभिन्न योगों में मनाया जाएगा। शहर के मंदिरों में अक्षय तृतीया पर विभिन्न अनुष्ठानों होंगे, ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकालेगा वहीं सामुहिक विवाह की धूमधाम शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहेंगी। अक्षय यानी कभी नष्ट न होने वाली खरीदारी के लिए शहर का सराफा और बर्तन बाजार अलसुबह से देर रात तक खुला रहेगा वहीं शहर के इलेक्ट्रॉनिक बाजारों के साथ आटोमोबाइल संस्थान पर भी शुभ मुहूर्त में खरीद की जाएगी। मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर जो चीज पाई या खरीदीं जाती है वो हमेशा पास रहेगी। अस दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है।

इसलिए जीवन के सबसे बड़े मौकों और फैसलों के लिए ये दिन शुभ है। शादी के लिए भी इसे श्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदा सोना घर में स्थायी समृद्धि लाता है। यह समय के साथ बढ़ता ही जाता है। श्रीमद्भागवत के अनुसार समुद्र मंथन में लक्ष्मी जी सोने के आभूषण पहनकर प्रकट हुई थीं। इसलिए सोने को लक्ष्मी जी से प्रकट हुआ मानते हैं। सोना, चांदी, व्हीकल, प्रॉपर्टी, कपड़े व अन्य कीमती चीजें खरीदना शुभ माना जाता है। नए बिजनेस या नौकरी की शुरूआत, विवाह, गृह प्रवेश या निवेश अक्षय फल देता है। आचार्य पं रामचन्द्र शर्मा वैदिक ने बताया कि 29 अप्रैल को शाम 5:32 बजे से 30 अप्रैल की दोपहर 2:25 बजे तक अक्षय तृतीया की तिथि रहेगी। उदय तिथि में 30 अप्रैल को शुभ अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीय को किए गए दान, पुण्य, जप और तप का फल कभी नष्ट नहीं होता है।

विभिन्न योगों में इस बार शुभ फलदाई रहेंगी अक्षय तृतीया: इस साल अक्षय तृतीया पर त्रिवेणी , सर्वार्थ सिद्धि योग, शोभन योग और रवि योग बन रहे हैं। यह सभी ही अद्भुत योग हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग में जो भी काम किया जाता है, वह सिद्ध हो जाता है।शोभन योग शुभता का संकेत देते है और रवि योग काम में सफलता दिलाता है। ऐसे में इन योगों में पूजा, जप, तप और दान का विशेष महत्व है।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया का है महत्वपूर्ण महत्व: अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है, क्योंकि सतयुग और त्रेतायुग की शुरूआत इसी दिन हुई थी। इस दिन भगवान विष्णु ने नर-नारायण और परशुराम का अवतार लिया था। समुद्र मंथन में महालक्ष्मी का प्रकटीकरण भी इसी दिन माना जाता है। वहीं श्री गणेश ने महाभारत लिखना भी शुरू किया था।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में तेजी से बढ़ी बाघों की आबादी, 17 साल में 50 गांव किए विस्थापित

घने जंगलों में सिर्फ बाघ रहेंगे लोग नहीं, खाली कराए गए गांव

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके लिए जंगल में उनका रहवास क्षेत्र भी बढ़ाया जा रहा है। यही कारण है कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 50वें गांव के विस्थापन की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। इसके बाद सबसे अधिक विस्थापन के मामले में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व देश में अग्रणी हो जाएगा।

यहां हुए व्यवस्थित विस्थापन की प्रक्रिया देखने के लिए हाल ही में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के इंस्पेक्टर जनरल ने विस्थापित गांवों का दौरा किया है। जिसमें उन्होंने यहां हुए विस्थापन को देश का सबसे अच्छा विस्थापन बताया है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पिछले 15 सालों में बाघों के रहवास और उनकी सुरक्षा पर कई काम किए गए हैं। इसी कड़ी में घने जंगल से वनवासियों को हटाकर दूसरे स्थान पर विस्थापित करने की प्रक्रिया सबसे अहम रही है।

17 वर्ष पहले शुरू हुई विस्थापन की प्रक्रिया

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से वर्ष 2007 में 43 गांव विस्थापित की रूपरेखा बनाई गई थी। जिसमें कोर और बफर जोन शामिल थे। धीरे धीरे अब तक 49 वन ग्राम पूरी तरह विस्थापित हो चुके हैं। जिसमें 36 कोर जोन से तो 13 बफर जोन से खाली हुए हैं। वहीं तीता गांव का 50वां विस्थापन किया जा रहा है। अभी 5 अन्य वन ग्रामों को विस्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है।

विस्थापन का आदर्श गांव कांकड़ी

सेमरी हरचंद के पास विस्थापित हुआ कांकड़ी गांव अब आदर्श गांव कहलाता है। यहां की बसाहट, सुविधा, हरियाली, स्वच्छता आदि को लेकर इसे आदर्श गांव घोषित किया गया है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि बाघों के रहवास और उनकी सुरक्षा को लेकर विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है। वनवासियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए सतपुड़ा में विस्थापन का काम लगातार जारी है। इसी को लेकर केंद्र की टीम ने विस्थापित गांव का दौरा किया था। जिसमें उन्होंने यहां की बसावट और वनवासियों को मिल रही सुविधा को लेकर इसे अच्छा विस्थापन बताया है।

कैमरे में दिख रहे 64 बाघ

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व 2133 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पिछले साल बाघ के शिकार का मामला सामने आया था। पूर्व में भी यहां अंतरराष्ट्रीय शिकारी पकड़े गए थे, लेकिन इसके बाद भी बाघों की भरमार है। सतपुड़ा में लगाए गए कैमरे में वर्तमान में 64 बाघ दिखाई दे रहे हैं। जंगल में बाघों की बढ़ती संख्या के कारण उनका रहवास क्षेत्र कम हो रहा था। वही जंगल में बसे वनवासियों के कारण कहीं ना कहीं वन्यप्राणी की सुरक्षा खतरे में पड़ रही थी। इसके आलावा वनवासियों को जंगल से निकालकर अच्छी सुविधा देने के लिए विस्थापन की प्रक्रिया शुरू की गई। जंगल में घास-फूस की झोपड़ी की जगह कॉलोनीनुमा गांव बसा दिया। जंगल की पगडंडी की जगह पक्की सडक़, बिजली, पानी की सुविधा दे दी गई। वनवासियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के कारण ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व प्रबंधन को कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थर्ड एशिया मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस ऑन टाइगर कंजर्वेशन में सम्मान दिया था।

प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्राओं के लाभार्थ प्रश्न बैंक कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीयप्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं की सहायता कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न बैंक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं की सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए किया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डा दीप्ति श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में हिन्दी विषय के विशेषज्ञों द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों को तैयार किया गया। सभी विषय विशेषज्ञों ने सक्रिय सहयोग एवं उपयोगी प्रश्नावली तैयार कर कार्यशाला को सफल सिद्ध किया। प्राप्त सभी प्रश्नावली की एक पुस्तिका तैयार की जायेगी । हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डा कीर्ति शर्मा ने जानकारी दी कि इस समय अध्ययन रत छात्राएँ यूपीएससी, बैंकिंग क्षेत्र के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हिन्दी विषय को लेकर कर रहीं हैं अत- उनके लाभार्थ तथा प्रश्न पत्रों के प्रारुप से छात्राओं को अवगत कराने हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के शिक्षक डा के बी राय उपस्थित रहे।

आरजीपीवी के कुल सचिव का कर्मचारी मंच ने घेराव किया

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में आज स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों के समर्थन में रैली निकाली तथा कुल सचिव आरजीपीवी दीपक सेन का घेराव कर ज्ञापन सोपा प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अमर अहिरे जगदीश शर्मा, संतोष सूर्यवंशी, विजय रैकवार, द्वारका प्रसाद शर्मा, मुकेश धाकड़, राजबहोर सेन, कुलदीप सिंह तोमर, साजली इजहार, प्रियंका शर्मा आदि सैकड़ो कर्मचारी शामिल थे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि आरजीपीवी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का श्रेणी परिवर्तन करने एवं शासकीय कर्मचारियों के समान स्थाई कर्मियों को भी अवकाश सुविधा का लाभ देने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद कुलसचिव एवं कुलपति को ज्ञापन सोपा गया कुलपति ने ज्ञापन पर चर्चा करते हुए मांगों को न्यायोचित बताते हुए एक माह में आदेश जारी करने का आश्वासन दिया।

पं. नेहरू ने बाबा साहब के साथ हमेशा भेदभाव किया-डॉ. मोहन यादव

करोड़ों भारतीयों को अधिकार देने वाले महान व्यक्तित्व थे बाबा साहब: वसुंधरा राजे सिंधिया

दीनबन्धु ■ इंदौर www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया एवं प्रदेश सरकार के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के रवींद्र नाट्य गृह में डॉ. अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने डॉ. अंबेडकर के साथ हमेशा भेदभाव किया और उन्हें चुनाव हराने के लिए लगातार प्रयास किए। बाबा साहब की मृत्यु के बाद भी पं. नेहरू उनसे द्वेष रखते थे। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा बाबा साहब की उपेक्षा की। भाजपा ने उन्हें अपना आदर्श माना और उन्हें वो सम्मान दिया, जिसके बाबा साहब अधिकारी थे। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि दुनिया में अनेक नेता हुए हैं, जिन्होंने अलग-अलग लक्ष्यों के लिए संघर्ष किया। बाबा साहब अंबेडकर का संघर्ष दलितों और पिछ?ों को अधिकार दिलाने के लिए था। संगोष्ठी को प्रदेश शासन के मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब ने समाज को शिक्षित एवं जागरूक बनाने के लिए ल?ई शुरु की। बाबा साहब का सरनेम सकपाल था, लेकिन उन्होंने अपने ब्राह्मण गुरु के सरनेम अंबेडकर को जीवन भर अपने नाम के साथ रखा। बाबा साहब ने कहा कि देश की हर चीड़, हर संसाधन पर सभी का समान अधिकार है, चाहे वह किसी भी वर्ग से आता हो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बाबा साहब के साथ हमेशा भेदभाव किया। जब यह तय हो गया कि बाबा साहब ही संविधान सभा के अध्यक्ष होंगे, तो पं. नेहरू ने इसे लंबे समय तक टाला। वहीं, चुनाव में अंबेडकर जी को हराने में लगे रहे। उन्होंने कहा कि जीवित रहते हुए तो मनमुटाव हो सकता है, लेकिन मृत्यु के उपरांत तो भेदभाव और रंजिश छो? देना चाहिए। लेकिन पं. नेहरू ने बाबा साहब की मृत्यु के बाद भी उनसे द्वेष रखा और दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार नहीं होने दिया। जिस विमान से बाबा साहब की पार्थिव देह मुंबई भेजी गई, उसका किराया चुकाने के लिये भी बाबा साहब की पत्नी को बिल थमा दिया गया। बाबा साहब के साथ इतना द्वेष पूर्ण व्यवहार करने के बाद भी कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब के नाम पर ही वोट मांग रही है, संविधान यात्रा निकालने का ढोंग कर रही है, जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर सिर्फ दलितों के नेता नही थे, बल्कि वे हम सभी के नेता थे। उनका कहना था कि शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा था कि हम में से कोई किसी भी जाति का हो, कोई भी काम करता हो, लेकिन हम सब बराबर हैं। ईश्वर भी किसी से भेदभाव नहीं करते और वे सभी के हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के हर गरीब, हर पिछ? व्यक्ति के मन में यह आत्मविश्वास है कि जिन्होंने देश का संविधान बनाया, वो बाबा साहब हमारे बीच से ही थे। यह आत्मविश्वास बाबा साहब ने ही जगाया। बाबा साहब ने सभी वर्गों को एक न?र से देखा और उनके द्वारा लिखा गया संविधान मात्र कानून की किताब नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि हिम्मत इतनी ब?ी रखो कि किस्मत छोटी लगने लगे और जीवन लंबा रखने की बजाए महान रखो। स?लता कभी पक्की नही होती, न ही अंतिम होती है। बुरा अच्छा समय सबके जीवन मे आता है, लेकिन रुकना नही है। अपने जीवन के संघर्ष को, मेहनत को इतिहास बनाओ। लड़ते जाओ और धैर्य के साथ आगे ब?ते जाओ। उन्होंने कहा कि अगर अच्छा काम करोगे तो तुम्हारा समय भी आएगा। काम के साथ पहचान भी मिलेगी, यही जीत है। श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब की हमेशा ही उपेक्षा की। कांग्रेस ने उन्हें दलित माना, जबकि भाजपा ने उन्हें ललित मानकर सम्मान दिया।

कांग्रेस ने बाबा साहब को हराने में पूरी ताकत लगा दी थी

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हराने के लिए उस समय के मशहूर क्रिकेटर को चुनाव में उतारा, लेकिन जीत सच्चाई की हुई। कांग्रेस ने पूरी ताकत लगा दी बाबा साहब को हराने में, लेकिन बाबा साहब जीते। बाबा साहब सच की आवा? थे। लेकिन बाबा साहब ने कांग्रेस सरकार के तौर तरीकों से दुखी होकर इस्तीफा दे दिया। उनकी मृत्यु के बाद भी कांग्रेस ने दिल्ली में उनका दाह संस्कार नहीं होने दिया जबर्दस्ती मुंबई में दाह संस्कार करवाया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दिल्ली सहित बाबा साहब के जीवन से जु? स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कराया। संसद में उनका चित्र स्व. अटलबिहारी वाजपेयी जी ने लगावाया। मुंबई में बाबा साहेब का स्टेच्यू ऑ? इक्वलिटी बनाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा बाबा साहेब की जयंती के अवसर में 120 देश मे गोष्ठियां कराई गई।

सौरभ शर्मा के करीबी और इंस्पेक्टर समेत चार आरक्षकों को नोटिस जारी

बहुचर्चित 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश मामला

भोपाल । मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में उनके करीबी भी रडार पर आये है। इसी कड़ी में चेक पोस्टों पर तैनात रहे इंस्पेक्टर और चार आरक्षकों को लोकायुक्त पुलिस ने नोटिस जारी किया है। मामले में परिवहन इंस्पेक्टर किशोर सिंह बघेल, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर वीरेश कुमार तुमराम सहित 4 आरक्षकों को नोटिस जारी किया है।

बता दें कि सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित घर पर लोकायुक्त ने 9 दिसंबर 2024 को छापेमार कार्रवाई की थी। छापे के दौरान करोड़ों का कैश और सोना मिला था। आयकर विभाग की टीम ने एक लग्जरी कार से 11 करोड़ कैश और 52 किलो सोना बरामद किया था। मामले उजागर होते ही प्रदेश की सियासत में भूचाल आ गया था। सत्ता पक्ष और विपक्ष में मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर रहा है।

पूछताछ में परत-दर-परत खुलासे

मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी और जांच जारी है। मामले में अभी ज्ञात नहीं हुआ है कि 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश किसका था। विपक्ष ने सरकार सहित परिवहन मंत्री पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। फिलहाल मामले में लोकायुक्त, ईडी और ईओडब्ल्यू कार्रवाई कर चुकी और जांच जारी है। लोकायुक्त की पूछताछ में परत-दर-परत नए खुलासे भी हो रहे हैं।

पत्रकारिता व सिनेमा सृजन का संसार : कुलगुरु तिवारी

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक महत्वपूर्ण विमर्श का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के पूर्व विद्यार्थी और विभिन्न प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों से जुड़े संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय और क्षितिज पांडेय ने अपने अनुभव साझा किए।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा का संसार एक विशाल सृजनात्मक क्षेत्र है, जिसमें कोई सीमाएं तय नहीं की जा सकतीं। उन्होंने विद्यार्थियों को समस्या में जाकर जमीनी सच्चाई जानने का कौशल विकसित करने पर बल दिया। साथ ही, लगातार पुस्तकें पढ़ने और ज्ञान अर्जन करते रहने की भी सलाह दी। कुलगुरु तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज निर्माण का सशक्त माध्यम है। मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने डिजिटल मीडिया में थंबनेल और कंटेंट क्वालिटी की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कंटेंट ही सफलता और असफलता तय करता है। संयुक्ता बनर्जी ने विद्यार्थियों को आगाह किया कि वे पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अंधाधुंध उपयोग न करें, बल्कि अपनी सृजनात्मक सोच को प्राथमिकता दें।

पत्रकारिता में धैर्य और मनोबल आवश्यक: अंकित शर्मा

पूर्व विद्यार्थी अंकित शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करते हुए धैर्य और मनोबल को हमेशा बनाए रखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मविश्वास और सतत प्रयास ही सफलता की कुंजी है। विमर्श का संयोजन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा और सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी ने किया। संचालन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आयुष और शुभ राणा ने किया। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किचन में तलघर बनाकर छिपा रखी थी 142 बोतल; टीम ने 10 दिन तक रैकी की

भोपाल में शराब की 'होम डिलीवरी' करते पकड़ा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

भोपाल में शराब की 'होम डिलीवरी' करने वाले को आबकारी विभाग ने पकड़ा है। वह पुराने लाइसेंसियों से कम कीमत पर ब्रांडेड शराब खरीदता और उसे ज्यादा कीमत पर होम डिलीवरी कर देता। जब उसके घर के किचन में जांच की गई तो तलघर नुमा जगह पर शराब की 142 बोतलें मिली।सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने बताया, शहर में एक तस्कर द्वारा शराब की होम डिलीवरी करने की सूचना मिली थी। इसके बाद 10 दिन से रैकी कर रहे थे। इसके बाद गोपाल नगर खजूरीकलां निवासी सुरेश पाटिल के घर पहुंचे। किचन से 116 लीटर यानी, 142 बोतल अंग्रेजी शराब मिली। जब्त शराब के साथ सहायक आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ एवं स्टॉफ उपस्थित रहे और पत्रकारों को विस्तार से जानकारी दी।

होम डिलीवरी करने वालों को ढूंढ रहे

अफसरों के अनुसार, शराब के अवैध कारोबार के साथ सुरेश के साथ कई लोग जुड़े हैं। इनमें घर-घर शराब पहुंचाने वाले भी शामिल हैं। उन्हें भी ढूंढ रहे हैं। ताकि, पता चल सके कि ये शराब कहां से लाई जा रही थी? गिरोह कितने साल से यह कर रहा था, ये भी पता लगा रहे हैं।

पुराने लाइसेंसियों की शराब

सहायक आबकारी आयुक्त धाकड़ ने बताया, 1 अप्रैल से भोपाल एवं आसपास के जिलों में ठेके बदले गए हैं। इस कारण साल 2024-25 के लाइसेंसियों ने स्टॉक में रखी शराब को कम कीमत पर बेच दिया। यह शराब सुरेश पाटिल खरीदता था और फिर उसे अपने साथियों के साथ होम डिलीवर कर देता था। जिससे उन्हें अच्छी कीमत मिल जाती थी। सुरेश के विरुद्ध पहले भी कई अपराध पंजीबद्ध है।

महापौर ने भोपाल प्रीमियर लीग 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट का किया भव्य शुभारंभ

भोपाल। भोपाल प्रीमियर लीग 2025 सीजन-02 का उद्घाटन सोमवार देर शाम महापौर मालती राय ने ओल्ड केम्पियन ग्राउंड में भव्य रूप से किया। महापौर ने बेटिंग कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। महापौर मालती राय ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस तरह के आयोजन से खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलता है और युवा वर्ग को खेल के प्रति प्रेरणा मिलती है। समारोह में विशेष रूप से पार्षद शिखा गोहल, पूर्व पार्षद मोनू गोहल, और आयोजन समिति के सदस्य कृष्णा घाटगे भी मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी, और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत का जोरदार स्वागत किया। भोपाल प्रीमियर लीग 2025 का उद्देश्य स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, खेल को बढ़ावा देना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल को बढ़ावा देना। यह टूर्नामेंट शहर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़े खेल उत्सव की तरह है, जिसमें विभिन्न क्लबों और संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

संपादकीय

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतो के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई। भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई। गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की। अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युध्द तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके। केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं। परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थो में वर्णित नक्षत्रो की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है। वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी। हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान विष्णु के अवतार परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

अक्षय तृतीयाः भगवान परशुरामजी का अवतार दिवस

सबसे व्यापक और प्रचण्ड अवतार है परशुरामजी का कूटरचित है क्रोधी होने और क्षत्रिय संघर्ष की बातें

रमेश शर्मा

पृथ्वी पर जब भी सत्य, धर्म और न्याय पर संकट आया तब भगवान नारायण अवतार लेकर पृथ्वी पर आये। अवतार क्रम में भगवान परशुरामजी का सर्वाधिक व्यापक और पहला पूर्ण अवतार है। संसार का ऐसा कोई कोना, कोई क्षेत्र या कोई देश ऐसा नहीं जहाँ भगवान-परशुरामजी के स्मृति चिन्ह नहीं मिलते हों। परशुरामजी ने मानवता की स्थापना के लिये पूरे संसार की सतत यात्राएँ कीं। भगवान-परशुरामजी का चरित्र वैदिक और पौराणिक इतिहास में सबसे प्रचण्ड और व्यापक है। वे चारों वर्णों में हैं और चारो युग में हैं। जब तप साधना से ब्रह्मत्व को प्राप्त करके वेद ऋचाओं का सृजन करते हैं तब ब्राह्मण हैं, प्रत्यक्ष युद्ध में दुष्टों का अंत करते हैं तब क्षत्रिय हैं। लोक कलाओं का विकास करके समाज को समृद्ध बनाते हैं तब वैश्य हैं और जब दाशराज युद्ध में घायलों की अपने हाथ से सेवा सुश्रुषा करते हैं तब सेवाव्रण अर्थात शूद्र माने गये। उन्हें नारायण के दशावतार में छठे क्रम पर माना गया वे चिरंजीवी हैं। भगवान परशुराम जी का अवतार सतयुग के समापन और त्रेता युग आरंभ के संधि क्षणों में हुआ। वह वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया थी। अवतार अक्षय है, इसलिये उनके अवतरण की यह तिथि अक्षय तृतीया कहलाई। इस दिन का प्रत्येक पल शुभ होता है। परशुरामजी का अवतार एक प्रहर रात्रि शेष रहते हुआ, इसलिये यह क्षण ब्रह्म मुहूर्त कहलाया। उनकी उपस्थिति हर युग में है और कलियुग के समापन तक रहने वाली है। इतना व्यापक और कालजयी चरित्र किसी अन्य देवता, ऋषि अथवा अवतार का नहीं है। उन्होंने ही वह शिव धनुष राजा जनक को दिया था जिसे भंग करके रामजी ने माता सीता का वरण किया था। परशुराम जी ने ही वह विष्णु धनुष रामजी को दिया था जिससे लंकापति रावण का उद्धार हुआ। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र और गीता का ज्ञान भी देने वाले भी परशुरामजी हैं। पुराणों यह भी उल्लेख है कि धर्म रक्षा कलियुग में कल्कि अवतार होगा तब उन्हें शस्त्र और शास्त्र का ज्ञान देने के निमित्त भी भगवान परशुराम जी ही होंगे। भगवान परशुरामजी का अवतार ऋषिकुल में हुआ हैं। भगवान परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि हैं और माता रेणुका सूर्यवंशी

प्रतापी सम्राट राजा रेणु की पुत्री हैं। देवी रेणुका साधारण राजकुमारी नहीं हैं। वे यज्ञसेनी हैं। उनका अवतरण उस यज्ञ कुण्ड से हुआ जिसमें दक्ष यज्ञ में देवि सती ने अपनी आहुति दी थी। भगवान परशुरामजी पांच भाई और एक बहन हैं। भगवान- परशुरामजी के सात गुरू हैं। पहली गुरु माता रेणुका, दूसरे गुरु पिता महर्षि जमदग्नि, तीसरे गुरू महर्षि चायमान, चौथे गुरु महर्षि विश्वामित्र, पाँचवे गुरु महर्षि वशिष्ठ, छठें गुरु भगवान शिव और सातवें गुरु भगवान- दत्तात्रेय हैं। भगवान- शिव की भक्ति तो पूरा संसार करता है पर उनके एक मात्र शिष्य भगवान- परशुरामजी हैं। वे मन की गति से भ्रमण करते हैं। इसे मन व्यापक गति कहते हैं। उन्हें चिर यौवन का वरदान है अर्थात वे कभी वृद्ध नहीं होंगे। संसार को श्रीविद्या का ज्ञान भगवान परशुरामजी ने दिया। शक्ति की उपासना भी भगवान परशुराम जी से आरंभ हुई। भगवान परशुरामजी सुमेधा ही शक्ति आराधना का ज्ञान महर्षि सुमेधा को दिया। महर्षि सुमेधा ने आगे शक्ति साधन के ग्रंथ रचे। परशुराम जी के ज्ञान, साधना, ओजस्विता और तेजस्विता के आगे कोई नहीं ठहर पाया।

अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं, शापादपि शरादपि

अर्थात उनके आगे चारों वेद चलते हैं। पीठ पर अक्षय तीरों से भरा तूणीर रहता है एक हाथ में शास्त्र हैं तो दूसरे में शस्त्र। वे श्राप देने और दंड देने दोनों में समर्थ हैं यह क्षमता किसी अन्य अवतार या ऋषि में नहीं। उन्होंने यदि प्रत्यक्ष युद्ध करके आततायों का हनन किया है तो तप कर- के शिवजी को प्रसन्न भी किया है। उन्होंने समाज निर्माण केलिये दो बार विश्व की यात्रा की है। ऋषि रूप में वेद ऋचाओं का सृजन भी किया है। ऋग्वेद के दसवें मंडल का एकसौ दसवां सूक्त भगवान परशुरामजी द्वारा ही सृजित है। भगवान परशुराम जी के बारे में कूटरचित प्रचार है कि वे क्षत्रिय हंता अथवा क्रोधी थे भगवान परशुराम जी नारायण के अवतार हैं। जो एक ऐसे समाज रचना के पक्षधर हैं जो शस्त्र और शास्त्र से समृद्ध हो। समाज जीवन का यही सूत्र स्वावलंबी और समृद्ध समाज का सूत्र है। लेकिन भारत के गौरव को खंडित करने केलिये मध्यकाल में केवल मानविन्दुओं को ही खंडित नहीं किया गया अपितु आदर्श चरित्रों को भी कलंकित करने का षड्यंत्र किया गया। यह षडयंत्र भारत के लगभग सभी आदर्श चरित्रों के साथ हुआ। ऐतिहासिक चरित्रों के साथ भी और पौराणिक पात्रों के साथ भी। भारत की प्रत्येक स्वाभिमान संघर्ष गाथा में कूटरचित कथानक जोड़कर विवादास्पद बनाया गया। आक्रामण कारियों का घोषित नारा था बाँटो और राज करो इसके अंतर्गत ही भगवान परशुराम जी की गाथा में कुछ ऐसे प्रसंग जोड़े गये जिससे समाज विभाजित हो। भारतीय समाज जीवन और शासन व्यवस्था में राजा और आचार्य एक दूसरे के पूरक थे। आचार्य नीतियाँ बनाते थे। युद्ध या आक्रमण के समय रणनीति भी आचार्य बनाते थे और क्रियान्वयन राजा करते थे। इसे तोड़ने केलिये आचार्य और राजा में दूरियाँ बनाने केलिये पूरी तरह असत्य और भ्रामक प्रसंग जोड़े गये। भगवान-परशुरामजी पर तीन आक्षेप लगाये जाते हैं। पहला यह कि उन्होंने इक्कीस बार क्षत्रियों का क्षय किया। दूसरा वे बहुत क्रोधी थे, और तीसरा उन्होंने अपनी माता का सिरच्छेद किया। ये तीनों आक्षेप असत्य और कूटरचित हैं। भारतीय समाज में भेद पैदा करने केलिये रचे गये हैं। ताकि भारतीय समाज को विभाजित कर भारत को दास बना सकें। वे अपने षडयंत्र में सफल भी हुये। लेकिन अब हमें स्वयं अध्ययन करके समस्त भ्रांतियों का निवारण करना चाहिए। सबसे पहले हमें यह समझना है कि भारत में जाति आधारित व्यवस्था नहीं थी। किसी विशेष परिवार में जन्म लेने के आधार पर न तो कोई सम्मानित होता था और न अपमानित। भारत में वर्ण व्यवस्था थी। उसका आधार गुण और कर्म था। इसके उदाहरण हर युग में मिलते हैं। कुबेर और रावण दोनों भाई हैं। एक की पूजा होती है और दूसरे के पुतले जलाये जाते हैं। सबसे पहले ये तीन शब्द समझें क्षत्र क्षत्रप और क्षत्रिय क्षत्र कहा गया राजा को, क्षत्रप कहा गया राज्य को और क्षत्रिय कहा गया राज्य एवं राजा को समर्पित व्यक्ति को। इसके शास्त्रों में पर्याप्त प्रमाण है। श्रीमद्भागवत में दुष्टं क्षत्रम शब्द आया है। अर्थात ऐसा राज्य जिसकी नीतियाँ दुष्टता से भरी होती हैं। महाभारत के एक प्रसंग में भगवान शिव ने आदेश दिया कि तुम मेरे समस्त शत्रुओं का वध करो। पुराणों में क्षत्रिय शब्द विशेषण के साथ आया है। इसके अतिरिक्त संस्कृत में कहीं क्षत्र शब्द आया और कहीं क्षत्रप शब्द आया। लेकिन हिन्दी अनुवाद में इसे सीधा क्षत्रिय ही लिखकर भ्रम फैलाया गया। भगवान परशुराम जी का अवतार दुष्टों और आततायों के अंत के लिए हुआ। भगवान परशुराम जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझने के लिए उन परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है जिनमें उनका अवतार हुआ। वह वातावरण अराजकता से भरा था। इसका वर्णन ऋग्वेद और लगभग सभी पुराणों में है। ऋग्वेद के चौथे मंडल के 42वें सूत्र की तीसरी ऋचा से संकेत मिलता है कि किसी ह्लत्रसह्ल नामक दस्यु ने स्वयं को ह्लइन्द्रह्ल और वरूण ही घोषित कर दिया। उसने कहा ह्यहम ही इन्द्र और वरूण हैह्य अपनी महानता के कारण विस्तृत गंभीर तथा श्रेष्ठ रूप वाली धावा-पृथ्वी हम ही है, हम मेघावी है, हम त्वष्टा देवता की तरह समस्त भुवनों को प्रेरित करते हैं तथा धावा-पृथ्वी को धारण करते है। इसी मंडल के इसी सूक्त की चौथी, पांचवी और छठी ऋचा में भी ऐसे ही अहंकार से भरी उद्घोषणाएं हैं। ऋग्वेद के अन्य मंडलों में भी ऐसी ऋचाएँ हैं। जिनसे लगता है कि उस समय ऋषि परंपरा का मान नहीं रह गया था, ऋषियो और सत्पुरुषो की हत्याएं की जा रही थी, आश्रम जलाएं जा रहे थे अथर्ववेद में वर्णन आया है कि अनाचार अत्याधिक बढ़ गए थे, उन्होने भृगुवंशियों को विनष्ट कर डाला और बीत हव्य हो गए इन परिस्थितियों के कारण पूरे संसार में हा-हाकार हो गया। चारों तरफ ईश्वर से बचाने की प्रार्थना की जाने लगी। वेदों में ऐसी ऋचाऐं हैं जिनमें इस अनाचार से मुक्ति केलिये देवों से सहायता का आव्हान किया गया। जिन देवताओं से सहायता करने के लिये आव्हान किया गया उनमें अग्निदेव, वरूण, इन्द्र आदि देवी देवताओं से रक्षा करने की प्रार्थना की गई है। ऋषियों और मनुष्यों पर आए इस संकट को मिटाने के लिए नारायण का यह छठवां अवतार हुआ। क्षत्रियों के विनाश केलिये नहीं। परशुराम जी के संदर्भ में क्षत्रिय शब्द का पहली बार कालिदास के रघुवंश में हुआ। यहीं से क्षत्रिय विनाश के किस्से चल पड़े। इसके अतिरिक्त एक और बात। भगवान परशुराम जी नारायण का अवतार हैं। वर्ण व्यवस्था के बारे में कहा जाता है कि भगवान नारायण के मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से क्षत्रिय उदर से वैश्य और चरणों से शूद्र एवं माता गंगा का उद्भव हुआ। यदि क्षत्रियों की उत्पत्ति भगवान नारायण की भुजाओं से हुई तो क्या नारायण स्वयं अपनी बाहुओं का विनाश करने के लिये अवतार लेंगे? उनकी माता देवी रेणुका क्षत्रिय, उनकी दादी देवी सत्यवती क्षत्रिय थीं, भृगु वंश की अनेक ऋषि कन्याएं क्षत्रियों को ब्याहीं थीं। तब भला कैसे क्षत्रिय विरोधी अभियान छेड़ सकते हैं उनके बारे में दूसरा आक्षेप क्रोधी होने का लगाया जाता है। यह आक्षेप भी तथ्य हीन है। क्रोध राक्षसों को आता है दैत्यों को आता है। देवताओं को नहीं। क्रोध को अग्नि कहा गया है, पाप का मूल कहा गया है। जिस प्रकार अग्नि सबसे पहले अपने ही केन्द्र को जलाती है फिर संसार को आँच देती है। ठीक उसी प्रकार क्रोध भी उस व्यक्ति को पहले नष्ट करता है जो क्रोध करता है परशुरामजी नारायण का अवतार हैं। नारायण तो सदैव मुस्कुराते हैं कभी क्रोध नहीं करते। तब नारायण का कोई अवतार क्रोध करेगा पुराणों में परशुराम जी केलिये रोष शब्द आया है। "रोष में भरकर उन्होंने दुष्टों का नाश किया"। रोष एक प्रकार का गुस्सा होता है। गुस्सा तीन प्रकार का होता है। माता का और गुरू का गुस्सा सतोगुणी होता है जिसे "रोष" कहते हैं। पिता और राजा का गुस्सा रजोगुणी होता है जिसे "कोप" कहते हैं। जबकि दुष्टों और दानवों का गुस्सा अहंकार से उत्पन्न होता है यह तमोगुणी होता है इसे क्रोध कहते है। भगवान परशुरामजी नारायण का अवतार हैं, ऋषि हैं, गुरू हैं उनका गुस्सा रोष है, क्रोध नहीं। उनके बारे में संस्कृत में रोष शब्द ही आया है जिसका हिन्दी अनुवाद क्रोध के रूप में करके भ्रान्तियाँ फैलाई गई। उनके बारे में तीसरा भ्रांति फैलाई गई कि उन्होंने अपनी माता का शिरच्छेद किया था। यह भी पूरी तरह असत्य और कूटरचित षडयंत्र है।

संघ प्रमुख के अनुसार दुष्टों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले को लेकर जो बयान दिया है उस पर गंभीरता से विचार ही नहीं बल्कि अमल करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने विगत दिनों एक कार्यक्रम में एकजुटता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अगर हम एकजुट हैं तो कोई भी हमारी ओर बुरी नीयत से देखने की हिम्मत भी नहीं करेगा। भागवत ने कहा कि घृणा और शत्रुता हमारे स्वभाव में नहीं है लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है। संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि एक सच्चे अहिंसक व्यक्ति को शक्तिशाली भी होना चाहिए। शक्ति नहीं है तो कोई विकल्प नहीं है और अगर शक्ति है तो जरूरत पड़ने पर वह दिखाई देनी चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि लोगों से उनका धर्म पूछकर हत्या की गई। हिंदू ऐसा कभी नहीं करेगा।यह युद्ध धर्म और अधर्म के बीच है। संघ प्रमुख मोहन भागवत मुंबई में स्व.दीनानाथ मंगेशकर की 83 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसके एक दिन बाद न ई दिल्ली में संघ प्रमुख ने विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी स्वामी विज्ञानानंद के द्वारा लिखित शोध पूर्ण ' द हिंदू मेनीफेटो ' पुस्तक के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा कि अहिंसा ही हमारा स्वभाव ,हमारा मूल्य है। हमारी अहिंसा दूसरों को अहिंसक बनाने के लिए है। कुछ लोग बन जाएंगे, कुछ लोग बिगड़ जाएंगे और इतना बिगड़ जाएंगे कि दुनिया में उपद्रव करेंगे।हम अपने पड़ोसियों का कभी अपमान या नुकसान नहीं करते लेकिन फिर भी कोई बुराई पर उतर आए तो विकल्प क्या है। अहिंसा हमारा धर्म है और दुष्टों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म है। हमारा धर्म संतुलन देने वाला धर्म है पाश्चात्य विचार पद्धति में यह संतुलन नहीं है। संघ प्रमुख ने पहलगाम की घटना के बाद देशभर में दिखाई दे रहे शोक और आक्रोश को स्वाभाविक बताते हुए कहा कि हमारे दिलों में दर्द है , हम गुस्से में हैं लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत दिखानी होगी। भागवत ने कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था वेदों को जानता था। उसके पास वह सब कुछ था जो एक अच्छा इंसान बनने के लिए होना चाहिए लेकिन उसने जो मन और बुद्धि अपना ली थी वह बदलने को तैयार नहीं थी। रावण तब तक नहीं बदलता जब तक कि वह मर नहीं जाता और उसका पुनर्जन्म नहीं हो जाता इसलिए उसे बदलने के लिए राम ने रावण का वध किया। संघ प्रमुख ने कहा कि भगवतगीता में भी बताया गया है कि अर्जुन को अपने भाईयों को इसलिए मारना पड़ा क्योंकि वे बदलने के लिए तैयार नहीं थे। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में यही संदेश दिया कि जब कोई बदलने के लिए तैयार न हो तो यही रास्ता अपनाना पड़ता है। संघ प्रमुख ने कहा कि हम ऐसे लोग हैं जो हर किसी में अच्छाई देखते हैं और सभी को स्वीकार करते हैं। हमारे पास सेना है लेकिन एक समय ऐसा भी था जब हमें लगा कि हमें इसकी जरूरत नहीं है। हम यह सोचकर लापरवाह हो गये कि युद्ध नहीं होगा लेकिन 1962 में प्रकृति ने हमें सबक सिखाया।तब से हम अपनी रक्षा को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। बुराई को खत्म किया जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने आगे कहा कि हाल की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश की जो लहर फैली उसमें जाति , धर्म,पंथ , संप्रदाय, क्षेत्र या पार्टी का कोई भेद नहीं था। हम देश की गरिमा के लिए एक साथ खड़े थे और यह हमारा स्वभाव बन जाना चाहिए।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

देश को पवित्र लोगों की जरुरत

(लेखक - संजय गोस्वामी)

पवित्रता का अर्थ है शुद्धता, निर्मलता, और पवित्रता की अवस्था। यह किसी व्यक्ति, के विचार में मौजूद एक गुण या अवस्था है जो इसे विशेष रूप से पवित्र, शुद्ध या नैतिक रूप से सही बनाती है। पवित्रता का मतलब किसी चीज में 100परसेंट वही हो जो दूध में होता हालांकि ऐ संभव नहीं होता है लेकिन 99% हो सकता है मेरी पवित्रता को परखने की कोशिश ना करो नहीं तो नफरत की आग में जलना तय है उसे कुछ भी नहीं होगा क्योंकि वो पवित्र है भगवान राम का सच्चा भक्त जो राग, द्वेष, काम, क्रोध लोभ से परे हो मन में यदि एक बार इससे नाता टूटा तो आपका जीवन बदल गया धर्म क्या है एक पवित्र गुण जैसे आग का गुण जलना पानी का गुण शीतल प्रदान करना है आतंकवादी पूर्ण रूप से अपवित्र और क्रूर होता हैं जो 100परसेंट अशुद्ध है जो अपनी गन्दी हरकतों से डराता है लेकिन आप भगवान राम को याद करें आपको डरने की जरुरत नहीं है आपका मरना निश्चित है लेकिन यदि डर गए तो ऐसे भी मरेंगे सामना करना चाहिए और यदि उस परमात्मा का नाम लेकर मरे तो आपको वह पुनः नई जिंदगी दे देगा और मरने का भय नहीं होगा दरअसल आप वहाँ जाने से पहले मिलावटी लोगों के बातों पर भरोसा कर लिया और वहाँ की सच्चाई जानने के लिए पता नहीं किया और ऐ परिणाम सामने आया लोग उस मुद्दे को कागजी शेर की तरह बस मंच पर ही गरज रहें हैं और जहाँ पाकिस्तान की गर्दन पकड़ना चाहिए वहीं आप पानी बन्द कर , दुनिया में इसे ढिढोरा पिट कर आप खुद ही असहाय हो गए जहाँ फाइटर जेट भेज कर आतंकवादी के गढ़ में घुसकर उसे मिट्टी में मिलाना चाहिए वहाँ इन छोटी सी कार्यवाही से काम नहीं चलेगा कैसे इजराइल करता है एक बहुत छोटा सा देश होकर चारों तरफ से आतंकवादी से घिरा है लेकिन हर मोर्चे पर किसी से ना डरते हुए उसे सबक सीखा रहा है भारत में जम्मू काश्मीर की नई सरकार बनी है अतः उस पर नजर बनाए रखनी चाहिए जिसे कभी 370 हटने पर होम अरेस्ट किया आज उनकी सरकार बनी तो निश्चित रूप से कभी वो आपका साथ नहीं देंगे क्योंकि उनका ताल्लुक अलगवादी नेता से है वो चुप क्यों है क्या सुरक्षा के लिए उनकी जिम्मेदारी नहीं थी जब तक दुश्मन को नहीं मारोगे तो अपने शहीद सैनिकों व नागरिकों के ताबूत इसी तरह आते रहेंगे कुछ ठोक कर उधर भी भेजवा दो तो मालूम होगा कि जान की क्या कीमत होती है लेकिन केवल कागजी शेर की तरह बोलने से नहीं करके दिखना होगा चाहे इसके लिए कोई भी कीमत क्यों ना चुकाना पड़े देश सर्वोपरि है लेकिन आप को बार बार की झंझट से छुटकारा मिलेगा औ? देश की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी और लोगों में आपके प्रति विश्वास भी बढ़ेगा. आज यदि गुरुगोविन्द सिंह होते तो अब तक तो लाशों के ढेर लगा देते और उसमें उनके भक्त शहीद भी होते क्योंकि उनमें एक जज्बा था और इसलिए चमकौर के युद्ध में मुट्ठी भर सैनिकों से दुश्मन की लाखों की सेना को मात दे दी इसलिए उनकी पूजा होती है क्योंकि वो 100 परसेंट शुद्ध थे जो खालसा कहलाता है। इसके लिए हर इंसान के पास एक कृपान तो दे दो गुरू गोविन्द सिंह जी ने उस समय कृपान रखना जरुरी किया था जो आत्म रक्षा हेतु था आज भी इजराइल में आत्मरक्षा हेतु पिस्टल दिए जाते हैं उसका गलत इस्तेमाल कभी नहीं बल्कि आत्मरक्षा हेतु मिलता है , भगवान श्री राम अपने जीवन में सभी संघर्ष के बाद भी जब राजा बने तो प्रजा के हित में माता सीता को भी छोड़ दिया नहीं तो उनपर परिवारवाद का आरोप लगता ईश्वर का साक्षात रूप होते हुए भी ना तो उसपर कोई स्कालर की पढ़ाई है ना लोग उसमें रूचि रख रहें हैं इसी सब के कारण हमसब एक जुट नहीं हो रहें हैं : भगवान राम के प्रेम में एक अलग आंनद मिलता है ध्यान करो साक्षात मिलेंगे और एक साहस देंगें लेकिन कुछ में पूर्ण अपवित्र तो नहीं लेकिन मिलावट है जैसे कुछ लोग मतलबी होते हैं कुछ नासमझ या क्रोधी उन्हें लगता है हम सही हैं औ? आप गलत हो जाड़ा, गर्मी, बरसात, में एक जैसा रहना स्वास्थ्यकर है लेकिन थोड़ा गर्मी लगा तो पंखा से काम चल सकता है लेकिन एयर कंडीशन चाहिए इसलिए यदि किसी से सीखना हो तो भगवान राम से बेहतर कोई नहीं है जो एक मयार्दा का पालन कठिन से कठिन परिस्थिति में 14वर्ष जंगल में बिताया और निडर होकर रावण से लड़े उसमय समुद्र के पास गर्मी कितनी होगी लेकिन डरे नहीं क्योंकि वो शत प्रतिशत पवित्र थे आज आप गर्मी से बचने के लिए एसी का इस्तेमाल करते हैं लेकिन मालूम है एयर कंडीशनिंग गर्मी और उमस से राहत प्रदान करती है, यह कुछ स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा कर सकती है। लंबे समय तक एसी के संपर्क में रहने से त्वचा शुष्क हो सकती है, निर्जलीकरण हो सकता है और संभावित रूप से अस्थमा और एलर्जी जैसी श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। खराब रखरखाव वाले एसी सिस्टम धूल, फफूंद और अन्य एलर्जी को भी प्रसारित कर सकते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर और अधिक असर पड़ता है। अतः आप वातावरण की खुली हवा से डर गए और रोग मोल ले लिया अतः आप मिलावटी हो गए क्योंकि आप ईश्वर की बात नहीं मानी, पहले आप लोअर पोस्ट पर थे सब से मिलते थे जैसे ही प्रमोशन हुआ आप अपने पुराने मित्र से मिलना छोड़ दिए और पद का घमंड हुआ लेकिन जैसे ही रिटायर होंगे बड़े लोग तो पीछे छूटे और अब आपका साथ किसी बीमारी में आपका साथ छोटे ने ही दिया बड़े लोग केवल मुँह दिखाकर चले गए अतः अब आपको समझ आया कि मैं मिलावटी था क्योंकि यदि शुद्ध होते तो घमंड नहीं होता अतः आप भगवान राम से सीखिए की वो ईश्वर का रूप थे छोटे लोगों से ही उनके टीम में थे जिसमे घमंड बिलकुल नहीं था।

अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) पर विशेष

बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य करने का दिन है अक्षय तृतीया

योगेश कुमार गोयल

प्रत्येक वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया की शुरूआत 29 अप्रैल की शाम पांच बजकर 31 मिनट पर हो रही है, जो 30 अप्रैल की दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए अक्षय तृतीया की पूजा और खरीदारी करना 30 अप्रैल को ही सबसे शुभ है। अक्षय तृतीया की पूजा के लिए 30 अप्रैल को प्रातः पांच बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक का समय बहुत शुभ है। मांगलिक कार्यों के लिए अक्षय तृतीया पर्व को हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य आयोजित किया जा सकता है। यह पर्व आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम है। सनातन धमार्नुसार, वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया या आखा तीज कहते हैं। पौराणिक शास्त्रानुसार, अक्षय तृतीया विवाह और अन्य शुभ कार्यों के लिए स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, उपवास और व्रत का अक्षय फल अर्थात संपूर्ण फल मिलता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और इस दिन बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न किया जा सकता है, इसीलिए लोग बिना पंचांग देखे अक्षय तृतीया के दिन विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, घर, भूखंड या नए वाहन आदि की खरीदारी करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इसी तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था, जिसके प्रभाव से अक्षय तृतीया के दिन किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। पुराणों के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान, दान, जप व स्वाध्याय करना शुभ फलदायी होता है। भविष्यपुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया को युगादि तिथि माना गया है, यानी इसी तिथि से सतयुग व त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के तीन अवतारों, नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष अक्षय तृतीया पर बहुत से शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी पूजा करने से धन वृद्धि होती है। अक्षय तृतीया के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो बहुत खास है। इसके अतिरिक्त, जो अन्य शुभ योग बनने वाले हैं, उनमें शोभन योग दोपहर 12 बजकर दो मिनट तक रहेगा। रवि योग शाम को चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहने वाला है। इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ माना गया है। अक्षय तृतीया तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुख प्रदान करने वाली मानी गई है। विभिन्न शास्त्रों के अनुसार, इस दिन हवन, जप, दान, स्वाध्याय, तर्पण इत्यादि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं। मान्यता है कि द्वापर युग इसी तिथि को समाप्त हुआ था, जबकि त्रेता, सतयुग और कलियुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था, इसीलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहा जाता है। भारत में कई स्थानों पर अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार, इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती मानी गई हैं और इस दिन मां लक्ष्मी की भी विधिवत पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पृथ्वी पर देवताओं ने 24 रूपों में अवतार लिया था, जिनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय कुमार का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ माना जाता है। भगवान विष्णु के चरणों से गंगा भी इसी दिन धरती पर अवतरित हुई थी।

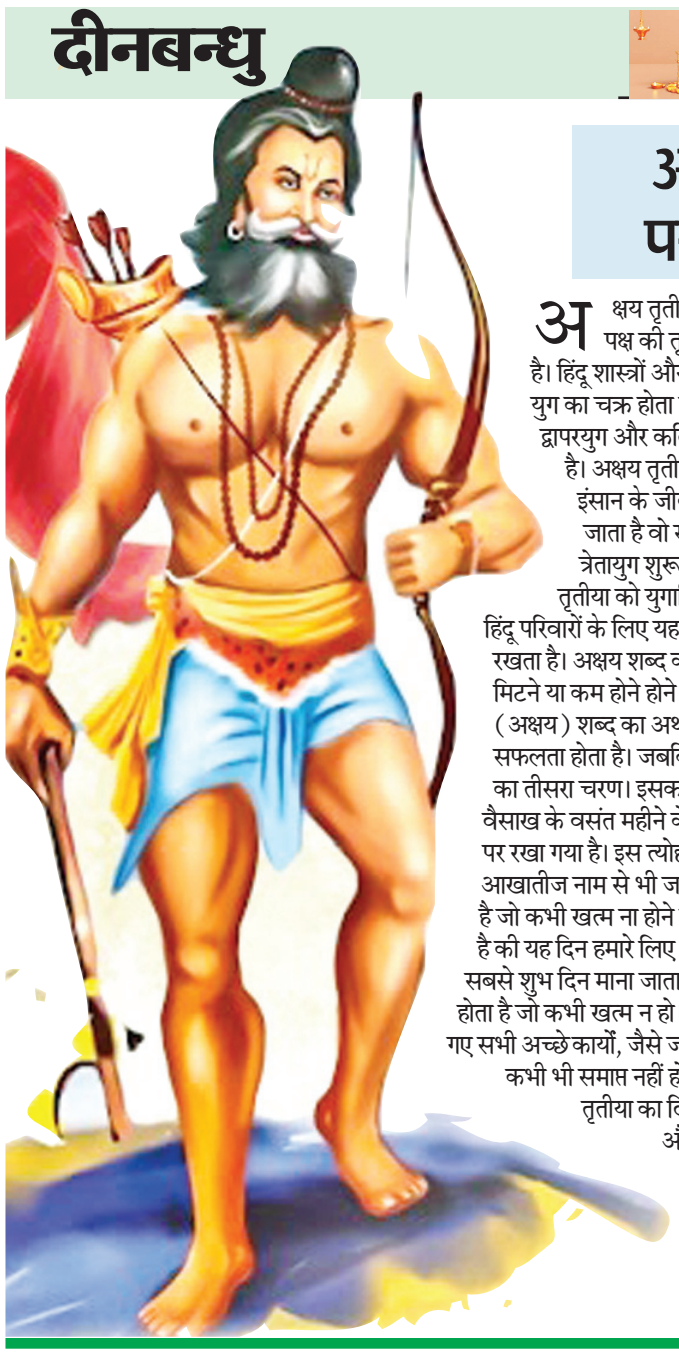

आज ही के दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था

पौराणिक महत्व का त्योंहार है अक्षय तृतीया

(रमेश सर्राफ धमोरा)

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। ÷अक्षय÷ शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियोंके प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है। माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उ?ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जो?कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन ब?ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर ब?ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने प?ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी प?ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी प?ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लरूकियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

अक्षय तृतीया का महत्व

श्रीमती पूजा दुबे

भारत पर्वों और त्योहारों का देश है। हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व होता है। अक्षय तृतीया भी एक ऐसा ही पावन पर्व है, जिसे हिंदू और जैन धर्म के लोग बड़े श्रद्धा भाव से मनाते हैं। यह पर्व हर वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। 'अक्षय' का अर्थ है – जो कभी नष्ट न हो और 'तृतीया' का अर्थ है तीसरा दिन। इस दिन किया गया दान, पुण्य, पूजा और अच्छे कार्य अक्षय फल देने वाले माने जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन जो भी कार्य शुभ भावना से किया जाए, उसका फल कभी समाप्त नहीं होता। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में परशुराम जी का स्थान बहुत ऊँचा है। इसी दिन पांडवों को अक्षय पात्र प्राप्त हुआ था जिससे कभी भोजन की कमी नहीं हुई। जैन धर्म के अनुयायी इस दिन भगवान ऋषभदेव की तपस्या पूर्ण होने की स्मृति में पर्व मनाते हैं।

खरीदारी और दान-पुण्य का दान

इस दिन सोना, चांदी, जमीन, वाहन आदि खरीदने की परंपरा है। इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। लोग इस दिन गरीबों को भोजन, वस्त्र, जल, छाता आदि दान करते हैं। यह दिन विवाह, गृह प्रवेश, नए व्यवसाय आरंभ करने और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए भी उत्तम होता है। अक्षय तृतीया केवल खरीदारी का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मिक शुद्धि और सेवा का प्रतीक है। इस दिन हम अपने जीवन में अच्छे कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं और दूसरों की सेवा करके पुण्य कमा सकते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि अच्छे कर्म कभी व्यर्थ नहीं जाते।

अक्षय तृतीया एक अबूझ मुहूर्त, इस दिन नारियल का यह उपाय कर देता है मालामाल

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए नारियल के कुछ उपाय किए जाते हैं जिससे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और धन का भंडार कभी भी खाली नहीं रहता है। पंचांग के अनुसार हर वर्ष बैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जाता है। अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। अक्षय तृतीया को एक अबूझ मुहूर्त माना जाता है यानी इस दिन बिना मुहूर्त के कोई भी शुभ काम किया जा सकता है। इस तिथि का इंतजार सालभर होता है क्योंकि यह एक खास और विशेष फल प्रदान करने वाली तिथि होती है। इस तिथि पर कुछ धार्मिक अनुष्ठान और उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि पर किया जाने वाला शुभ का फल का कभी क्षय नहीं होता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन कुछ उपाय करने से हमेशा धन-संपदा का भंडार भरा रहता है और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है।

अक्षय तृतीया पर नारियल से जुड़े उपाय

वैशाख का महीना भगवान विष्णु की आराधना, पूजा और स्त्रोत का पाठ करने से जीवन में चल रही सभी तरह की परेशानियों से छुटकारा मिलता है। शास्त्रों के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए नारियल के कुछ उपाय किए जाते हैं जिससे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और धन का भंडार कभी भी खाली नहीं रहता है। इस दिन एकाक्षी नारियल का उपाय बहुत ही कारगर साबित होता है। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर अक्षय फल की प्राप्ति और धन की प्राप्ति के लिए एकाक्षी नारियल को पूजा स्थल पर रखकर विधि-विधान के साथ उस पर अक्षत, फूल, दूर्वा, मिष्ठान, दूध, दही, शहद और गंगाजल से पूजा करें और फिर इस एकाक्षी नारियल को धन रखने के स्थान पर रख दें। इस उपाय से हमेशा ही धन का आवागमन बना रहता है। हिंदू धर्म में एकाक्षी नारियल का विशेष महत्व होता है क्योंकि आमतौर पर नारियल में तीन आंखें बनी हुई होती है लेकिन एकाक्षी नारियल में केवल एक आंक की आकृति बनी हुई होती है। एकाक्षी नारियल को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। अक्षय तृतीया पर एकाक्षी नारियल की पूजा करने के बाद उसे लाल रंग के वस्त्र में लपेटकर धन रखने वाले स्थान पर कुछ दिनों के लिए रख दें। इस उपाय से जीवन में धन की कोई कमी नहीं रहेगी। इसके अलावा धन की प्राप्ति के लिए इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की विधि-विधान पूर्वक पूजा करें। साथ ही, मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए उन्हें अक्षय तृतीया के दिन उन्हें कमल या गुलाब फूल अर्पित करेंएवं खीर का भोग लगाएं। ऐसा करने से जीवन में धन एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है।

भगवान परशुराम जयंती पर विशेष

शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता : भगवान श्री परशुराम जी

पं.ज्ञानेंद्र त्रिपाठी
राज्य स्तरीय स्वतंत्र अधिमान्य पत्रकार

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया अक्षय तृतीया कहलाती है।अक्षय तृतीया का भारतीय जनमानस में बड़ा महत्व है।भगवान श्री परशुराम जी का जन्म बैशाख माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हुआ था जिसे हम अक्षय तृतीया या अक्खा तीज के नाम से भी जानते हैं। इस तिथि को सतयुग का अंत तथा त्रेतायुग का प्रारम्भ हुआ था इसलिए इसे कृतयुग तृतीया भी कहा जाता है।

इस वर्ष भगवान श्री परशुराम जयंती आज मनाई जा रही है. परशुराम जी को भगवान विष्णु का छठा अवतार मानते हैं. परशुराम का जन्म ब्राह्मण के कुल में हुआ था। भगवान परशुराम महर्षि जमदग्नि और रेणुका के पुत्र और भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। मान्यता है कि परशुराम जन्मोत्सव के दिन भगवान परशुराम जी की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और इस दिन पूजा करने से साहस में वृद्धि होती है और भय से मुक्ति मिलती है.

जन्म के समय सभी शुभ ग्रह नक्षत्र एवं राशियां एक साथ वर्तमान थीं,जो अपने में ईश्वरीय सत्ता के प्रकट होने का लक्षण होती हैं द्य सप्त ऋषियों में प्रमुख ब्रह्मा जी के मानस पुत्र भृगु ऋषि के कुल में भगवान का जन्म हुआ, इसीलिए इनको भृगुवंशी या भार्गव भी कहा जाता है द्य भृगु मुनि के प्रपौत्र जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका के गर्भ से पाँचवी संतान के रूप में भगवान विष्णु का यह चिरंजीवी प्रथम अवतार है द्य इसके पूर्व के पांच अवतार मत्स्य, कच्छप, वराह, नृसिंह एवं वामन आंशिक अवतार रहे जो तत्कालीन दैत्यों का वध एवं उद्धार कर अंतरध्यान हो गए द्य किन्तु भगवान परशुराम त्रेता युग के प्रारम्भ से वर्तमान समय तक पृथ्वी पर हैं द्य इस प्रकार भगवान श्री परशुराम की आयु त्रेता युग के 12,96000वर्ष एवं द्वापर के 8,64000वर्ष एवं कलयुग के 5125 वर्ष, कुल मिलाकर 21,65125 वर्ष होती है द्य प्रभु का मूल नाम ÷राम÷ है जो ओंकार के साथ ब्रह्म के वाचक के रूप में ग्रहण होता है, जो बाद में आततायिओं के विनाश हेतु भगवान शिव द्वारा प्रदत्त दिव्य परशु धारण करने के कारण उनके नाम और पहचान के साथ जु? गया तभी से उनको संसार ÷परशुराम ÷ के नाम से जानने लगा द्य भगवान परशुराम ब्रह्मा जी के वंशज, भगवान शिव के विशेष कृपा पात्र एवं उनके अति प्रिय शिष्य एवं भगवान विष्णु के अवतार होने के कारण त्रिविध शक्तियों से संयुक्त ब्रह्मा, विष्णु, महेश के एकमात्र संयुक्त अवतार हैं।

भार्गव गोत्र की सबसे आज्ञाकारी संतानों में से एक भगवान परशुराम ब्राह्मण कुल के भार्गव गोत्र की सबसे आज्ञाकारी संतानों में से एक थे, जो सदैव अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करते थे। वे सदैव बड़ों का सम्मान करते थे और कभी भी उनकी अवहेलना नहीं करते थे । उनका भाव इस जीव सृष्टि को इसके प्राकृतिक सौंदर्य सहित जीवान्त बनाये रखा । वे चाहते थे कि यह सारी सृष्टि पशु-पक्षियों, वृक्षों, फल-फूल आदि समूची प्रकृति के लिए जीवन्त रहे । उनका कहना था कि राजा का धर्म वैदिक जीवन का प्रसार करना है ना कि अपनी प्रजा से आज्ञापालन करवाना । उन्हें भार्गव के नाम से भी जाना जाता है । पितामह भृगु द्वारा सम्पन्न नामकरण संस्कार के अनन्तर राम, जमदग्नि का पुत्र होने के कारण जामदग्न्य और शिव जी द्वारा वरदान स्वरूप प्रदत्त परशु धारण किए रहने के कारण परशुराम कहलाये ।

अधिकांश विद्या ग्रहण अपने बाल्यकाल में-

भगवान श्री परशुराम जी महाराज की आरंभिक शिक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं ऋचिक के आश्रम में प्राप्त होने के साथ ही महर्षि ऋचिक से सारंग नामक दिव्य वैष्णव धनुष और ब्रह्मर्षि कश्यप से विधिवत अविनाशी वैष्णव मंत्र प्राप्त हुआ । तदन्तर कैलाश गिरीश्रृंग पर स्थित भगवान शंकर जी के आश्रम में विघा प्राप्त कर विशिष्ट दिव्यास्त्र विघुदभि नामक परशु प्राप्त किया । भगवान शिव जी से उन्हें श्री कृष्ण का त्रैलोक्य विजय कवच, स्तवराज स्त्रोत एवं मंत्र कल्पतरू भी प्राप्त हुए । भगवान श्री परशुराम जी महाराज द्वारा चक्रतीर्थ में किए कठिन तप से प्रसन्न होकर भगवान नारायण ने उन्हें त्रेतायुग में राम अवतार होने पर तेजोरहण के उपरान्त कल्पान्त पर्यन्त तपस्यारत भूलोक पर रहने का वरदान दिया । भगवान श्री परशुराम जी महाराज ने अधिकांश विघा अपने बाल्यकाल में, अपनी माता की शिक्षाओं से ही सीख ली थी ।

राम से कैसे बने परशुराम?

बाल्यावस्था में परशुराम के माता-पिता इन्हें राम कहकर पुकारते थे । जब राम कुछ बड़े हुए तो उन्होंने पिता से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और पिता के सामने धनुर्विद्या सीखने की इच्छा प्रकट की । महर्षि जमदग्नि ने उन्हें हिमालय पर जाकर भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कहा । पिता की आज्ञा मानकर राम ने ऐसा ही किया । उस बीच असुरों से त्रस्त देवता शिवजी के पास पहुंचे और असुरों से मुक्ति दिलाने का निवेदन किया । तब शिवजी ने तपस्या कर रहे राम को असुरों को नाश करने के लिए कहा । राम ने बिना किसी अस्त्र की सहायता से ही असुरों का नाश कर दिया । राम के इस पराक्रम को देखकर भगवान शिव ने उन्हें अनेक अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए । इन्हीं में से एक परशु (फरसा) भी था । यह अस्त्र राम को बहुत प्रिय था । इसे प्राप्त करते ही राम का नाम परशुराम हो गया ।

भगवान परशुराम अमर है -

हिंदू धर्म ग्रंथों में कुछ महापुरुषों का वर्णन है जिन्हें आज भी अमर माना जाता है । इन्हें अष्टचिरंजीवी भी कहा जाता है । इनमें से एक भगवान विष्णु के आवेशावतार परशुराम भी हैं-

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनूमांश्च विभीषण ।
कृप: परशुराम श्च सप्तैते चिरजीविन ।।
सप्तैतान् संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टम ।
जीवेद्वर्षशतं सोपि सर्वव्याधिविवर्जित ।।

इस श्लोक के अनुसार अश्वत्थामा, राजा बलि, महर्षि वेदव्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, भगवान परशुराम तथा ऋषि मार्कण्डेय अमर हैं । ऐसी मान्यता है कि भगवान परशुराम वर्तमान समय में भी कहीं तपस्या में लीन हैं ।

परशुराम का कर्ण को श्रापमहाभारत के अनुसार परशुराम भगवान विष्णु के ही अंशावतार थे । कर्ण भी उन्हीं का शिष्य था । कर्ण ने परशुराम को अपना परिचय एक सूतपुत्र के रूप में दिया था । एक बार जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे । उसी समय कर्ण को एक भयंकर कीड़े ने काट लिया । गुरु की नींद में विघ्न न आए ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं उठाया । नींद से उठने पर जब परशुराम ने ये देखा तो वे समझ गए कि कर्ण सूतपुत्र नहीं बल्कि क्षत्रिय है । तब क्रोधित होकर परशुराम ने कर्ण को श्राप दिया कि मेरी सिखाई हुई शस्त्र विद्या की जब तुम्हें सबसे अधिक आवश्यकता होगी, उस समय तुम वह विद्या भूल जाओगे । इस प्रकार परशुरामजी के श्राप के कारण ही कर्ण की मृत्यु हुई ।

अन्यायी और अनाचारियों के दलन के लिए उनका कुठार कभी कुण्ठित नहीं हुआ

शिवकुमार शर्मा
दीपक नगर, भोपाल

सृष्टि या संसार में सन्तुलन, सुख-शांति,समानता ,समरसता की स्थापना के लिए जिसने भी अपने निजी हित त्याग परमार्थ, परोपकार और लोक के कल्याण हेतु जीवन समर्पित किया है त्यागपूर्ण जीवन कर नि- स्वार्थ भाव से अपनी प्रत्येक श्वांस लोकहित के लिए अर्पित की है, समाज उसमें दैवीय गुण देखता है । नीति व धर्म की स्थापना अधर्म का नाश करने वाला ही भगवान है । भारत की सनातन परंपरा में । समय-समय पर दिव्य शक्तियों के अवतरण होते रहे हैं ।तपोनिष्ठ,वेदज्ञ,अपराजेय योद्धा भगवान परशुराम का अक्षय तृतीया को प्राकट्य दिवस है । उनके सम्बन्ध में जानने के लिए ज्ञाताओं के मत कुछ इस प्रकार हैं ।

स ब्रम्हचारी निज धर्मचारी स्वकर्मचारी न च चाभिचारी ।
चारी सतां चेतसि नातिचारी स चापचारी स न चापचारी ।।
(श्री भार्गवराघवीयम/षष्ठ सर्ग/श्लोक 3)

परशुराम जी ब्रह्मचारी एवं अपने धर्म का आचरण करने वाले अपने कर्म का आचरण करते हुए वे अभिचारी नहीं थे। वे चापचारी अर्थात धनुष के साथ विचरण करते हुए भी अपचारी किसी का भी अपचार अर्थात अपकार नहीं करते थे।

निरन्तरायोह्प्यसदन्तरायो धनु- सहायो महितोरुगायः ।
सदा निरस्ताष्टविधिव्यायो निष्प्रत्यवायो लसितोहनपायः ।।
(श्री भार्गवराघवीयम/षष्ठ सर्ग/श्लोक 4)

श्री परशुराम जी के जीवन में कोई भी अंतराय अर्थात विघ्न नहीं था प्रत्युत वे स्वयं ही दुष्टों के लिए अंतराय स्वरूप थे । धनुष ही उनका सहायक था । वे उरुगाय अर्थात भगवान की ही पूजा करते थे । परशुराम जी आठ प्रकार के व्यवाय अर्थात नारी विषयक श्रवण, कीर्तन, केलि (क्रीडा), स्पर्श, एकांत भाषण ,संकल्प, अध्यवसाय और क्रिया निवृत्ति इन आठों प्रकार के मैथुनों से बहुत दूर थे । उनके जीवन में किसी प्रकार के विधि कर्म के व्यतिक्रम से उत्पन्न कोई भी पाप या प्रत्यवाय नहीं था वे स्वयं भी निर्मित रूप से सुशोभित हो रहे थे । भगवान परशुराम पूर्ण मनुज शरीर में वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं । वे एक चिरंजीवी (अमर) ऋषि, महान योद्धा और ब्राह्मण कुल में जन्मे क्षत्रिय-धर्म के पालन कर्ता हैं ।उनमें पाण्डित्य व पौरुष के एकसाथ दर्शन होते हैं ।वे शस्त्र एवं शास्त्र दोनों के उपासक,साधक,अध्येता आचार्य हैं । उन्होंने त्रेता में श्रीराम अवतार एवं द्वापर में श्रीकृष्ण अवतार के समय लोक कल्याण के लिए श्रीराम व श्री कृष्ण को दिव्यास्त्र प्रदान कर दुष्ट दलन के लिए सशक्त व सामर्थ्यवान बनाने में अपनी भूमिका निभाई ।

भगवान परशुराम जी का प्राकट्योत्सव

जन्म और परिवार

भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र महर्षि भृगु की पत्नी पुलौमी से ऋषि च्यवन जन्मे । उनका विवाह महाराज शर्याति की पुत्री सुकन्या के साथ हुआ जिससे चार पुत्र एवं एक पुत्री का जन्म हुआ इन में से एक पुत्र आप्नवान हुए उन के पुत्र सायवसि और सायवसि के पुत्र महर्षि ऋचीक हुए । महर्षि ऋचीक का विवाह गाधिराज की पुत्री सत्यवती से हुआ । ऋषि जमदग्नि उनके ही पुत्रथे । उनका विवाह इक्ष्वाकुवंशीय राजा प्रसेनजित(रेणु)की पुत्री रेणुका के साथ हुआ । माता रेणुका के गर्भ से रुमणवान, सुषेण,वसु,विभावसु तथा परशुराम का प्राकट्य हुआ । परशुराम का वास्तविक नाम 'राम' था, लेकिन भगवान शिव से प्राप्त परशु (फरसा) के कारण वे 'परशुराम' कहलाए ।

सा माधवं माधव शुक्ल पक्षे माया धवं संजनयाम्बभूव ।
या ख्यापिताक्षय्यातिथिस्तृतीया लोके जयन्ती हरि भार्गवस्य ।।
(श्री भार्गवराघवीयम/द्वितीय सर्ग/श्लोक 48)

रेणुका जी ने माया पर नियंत्रण करने वाले लक्ष्मीपति भगवान विष्णु के अंश परशुराम जी के वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि में जन्म दिया ।यही अक्षय तृतीया लोक में परशुराम जी के प्राकट्य दिवस (परशुराम जयंती) के नाम से प्रसिद्ध हुई । मध्यप्रदेश में महू(इन्दौर)के पास चम्बल नदी के उद्गम स्थल जान्हापाव को भगवान परशुराम की जन्म भूमि माना जाता है ।श्रीमद्भागवत के अनुसार परशुरामजी नारायण का सोलहवां अवतार माने जाते हैं -(प्रथम स्कंध-,तृतीय अध्याय-,श्लोक-विंसति) । अवतारे षोडशमे पश्यन ब्रम्हदरुहो नृपान ।
त्रिसप्तकृत्व- कुपितोनि-क्षत्रान्करोन्महीम ।।

सोलहवे अवतार में भगवान ने भृगुपति के रूप में क्षत्रियों का इक्कीस बार संहार किया क्योंकि वे बुद्धिमान वर्ग के विरुद्ध किए गए विद्रोह के कारण क्रुद्ध थे ।भगवान परशुराम केवल युद्ध और विनाश के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे समाज सुधारक, न्यायप्रिय योद्धा और धर्म के संरक्षक भी हैं । उनके कार्यों का मुख्य उद्देश्य अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा करना था ।

शस्त्र-विद्या और भगवान शिव सेआशीर्वाद-

उन्होंने महादेव से दिव्य अस्त्र-शस्त्र और युद्धकला सीखी ।वे शिव के प्रिय शिष्य थे रहे हैं । परशुराम जी ने गंधमादन पर्वत पर महादेव जी को संतुष्ट करके उनसे शिक्षा, कल्प, निरुक्त, ज्योतिष, छंद तथा व्याकरण सहित ऋग्, यजु, साम,अथर्वण चारों वेदों का रहस्य एवं मंत्र सहित धनुर्वेद का अध्ययन किया उन्होंने भगवान शिव से अनेक प्रकार के अस्त्र और अत्यंत तेजस्वी कुठार प्राप्त किए(महाभारत/शांति पर्व/श्लोक 33)

तोषयित्वा महादेवं पर्वते गन्धमादने ।
अस्त्राणि वरयामास पशुं चातितेजसम ।।
अपरं च कृतांजलिं पूजित पाद पंकजं शिव-प्रिय
छात्रमकुण्ठमेधसम ।मुदा समाहूयो करै परामृशन जहार देवो दशमीं दशां बटो ।।
(भार्गव राघवीयम/तृतीय सर्ग/श्लोक 74)

इस प्रकार अपने श्री चरणों की पूजा संपन्न किए हुए बद्धांजलि परशुराम जी को निकट बुलाकर अपने दसों हाथों से सहलाते हुए भगवान शिव ने विद्यार्थी परशुराम की दशम दशा अर्थात मृत्यु की विभीषिका हर ली और उनको अमर बना दिया । वे प्रातः स्मरणीय सात चिरंजीवियों में शामिल हैं ।

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनुमान्श्च विभीषणः ।
कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरजीविन, ।।

क्षत्रियों का संहार, भ्रांति एवं तथ्य-

उनके पिता जमदग्नि को एक राजा सहस्रार्जुन ने मार डाला था उन्होंनेकार्तवीर्य अर्जुन के परिवार को समूल नष्ट कर पूज्य पिता की हत्या का बदला लिया, इसी के साथ उन्होंने पृथ्वी को अधर्मी अन्यायी,अत्याचारी निर्दयी राजाओं से मुक्त कराने का संकल्प लिया । राजा का प्रथम कर्तव्य प्रजा का पालन करना होता है वही राजा प्रजा का रक्षक के स्थान पर भक्षक बन जाए और पालक के स्थान पर घालक बन जाए ऐसे राजा का अन्त होना अनिवार्य है ।

क्षत्रं क्षयाय विधिनोपभृतं महात्मा
ब्रह्मध्रुगुज्झितपथं नरकार्तिलिप्सु ।
उध्दन्त्यसाववनिकण्टकमुग्रवीर्य-
त्रिसप्तकृत्व उरुधारपरश्वधेन ।।

फाटा पहुंची बाबा केदारनाथ की पंचमुखी डोली, पुष्प वर्षा से स्वागत

रुद्रप्रयाग/चमोली

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली अपने दूसरे पड़ाव पर फाटा पहुंच गई है। बाबा की डोली सोमवार को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से रवाना हुई थी। मंगलवार को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में मंदिर के पुजारी शिव लिंग और केदारनाथ धाम के लिए नियुक्त पुजारी बागेश लिंग ने भगवान केदारनाथ और भगवान विश्वनाथ की पूजा-अर्चना करते हुए संयुक्त आरती उतारी और भोग लगाया।

साथ ही अन्य धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। सुबह 9 बजे बाबा केदार की चल उत्सव डोली ने अपने धाम केदारनाथ के लिए प्रस्थान किया। भक्तों के जयकारों और सेना की बैंड धुनों के बीच बाबा केदार की चल उत्सव डोली ने नाला, नारायणकोटी, मैखंडा में अपने भक्तों को दर्शन और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। इस दौरान भक्तों ने अपने आराध्य को मौसमी फूल-फल और भेंट अर्पित किया।

दोपहर बाद 2.30 बजे डोली फाटा पहुंची, जहां पर स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से बाबा केदार की डोली और मुख्य पुजारी बागेश लिंग का स्वागत किया। बुधवार को बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली फाटा से अपने धाम के लिए प्रस्थान करेगी और रामपुर, नयाल्सू, सीतापुर, सोनप्रयाग होते हुए अपने अंतिम रात्रि प्रवास गौरीकुंड पहुंचेगी, जहां गौरी माई से मिलन होगा।

एक मई को बाबा केदार की डोली अपने धाम केदारनाथ पहुंचेगी। दो मई को सुबह 7 बजे शुभ लग्न पर केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिये जाएंगे। उधर, श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को शुभ लग्न पर खोले जाएंगे। यहां कपाटोद्घाटन के लिए प्रशासन, पुलिस और श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी है। पुलिस द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए बदरीनाथ में थाना का संचालन शुरू कर दिया गया है।

श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश चंद्र गौड़ ने बताया कि 2 मई को ज्योर्तिमठ से आदिगुरू शंकराचार्य की गद्दी और गरुड़ भगवान की मूर्ति बदरीनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

3 मई की सुबह कुबेर जी, गरुड़, उद्धव की उत्सव डोली बदरीनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। उन्होंने बताया कि कपाटोद्घाटन के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

रियाद। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा, जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है।

वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था।

ओलावृष्टि से प्रभावित मणिपुर को 153 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) ने वर्ष 2024 के दौरान ओलावृष्टि से प्रभावित मणिपुर को 153.36 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से यह सहायता राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) में उपलब्ध वर्ष के लिए प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार प्राकृतिक आपदाओं और विपत्तियों के दौरान राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मंत्रालय के अनुसार, यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को एसडीआरएफ में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 20,264.40 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के तहत 19 राज्यों को 5,160.76 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 19 राज्यों को 4984.25 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 8 राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

पंजाब ने भाखड़ा से आने वाले हरियाणा के पानी की सप्लाई घटाई

भगवंत मान बोले, पाकिस्तान को पानी रोक पंजाब के डैम भरे केंद्र सरकार

चंडीगढ़

पंजाब ने भाखड़ा के माध्यम से हरियाणा को दी जा रही पानी की सप्लाई को आधा कर दिया है। पंजाब ने कुल नौ हजार क्यूसेक में से पांच हजार क्यूसेक की कटौती कर दी है, जिससे हरियाणा के छह जिलों में पानी का गंभीर संकट पैदा होना शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा हो सकता है।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की निगरानी में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा व राजस्थान को हर साल पेयजल व सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई दी जाती है। वाटर अलॉटमेंट का यह सीजन हर साल 21 मई से 21 मई तक की अवधि के लिए मान्य होता है। इस नहरी पानी से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। इस नहर का पानी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है, खासकर जहां पानी की कमी होती है।

पंजाब का दावा है कि हरियाणा को नौ हजार क्यूसेक पानी की सप्लाई की जाती है। हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं था। हरियाणा सरकार अपने तय कोटे का इस्तेमाल मार्च में ही कर चुकी है, जिसके बाद पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में पांच हजार क्यूसिक की कटौती कर दी है। इसे लेकर हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, महेन्द्रगढ़ समेत कई जिलों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। यह किल्लत अन्य जिलों को भी प्रभावित कर सकती है। आने वाले

दिनों में पेयजल संकट गंभीर रूप धारण कर सकता है।

इस विवाद के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बातचीत की। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एक वीडियो जारी करके इसका पलटवार किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं है। हरियाणा ने पानी का इस्तेमाल किफायती तरीके से नहीं किया है। जिसके चलते हरियाणा अपना तय कोटा मार्च में ही खत्म कर चुका है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब द्वारा मानवता के आधार पर पेयजल के लिए हरियाणा को अभी भी चार हजार क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। हालांकि तय नियम व शर्तों के अनुसार यह पानी भी नहीं दिया जा सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा में पानी की कमी को लेकर सुझाव दिया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान की तरफ जाने वाले पानी को रोकने की बात कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान को जाने वाला पानी पंजाब के डैम में डायवर्ट कर दिया जाए। पंजाब के डैम में जब पानी आएगा तो वह हरियाणा को भेज दिया जाएगा। मान ने कहा कि भाजपा बीबीएमबी के माध्यम से दबाव बना रही है। पंजाब के पास हरियाणा को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। वर्तमान में केवल मानवीय पहलू के आधार पर पानी सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के दिन के मुकाबले पौंग डैम में 24 फुट तो रणजीत सागर डैम में 39 फुट पानी कम है। ऐसे में केंद्र सरकार पाकिस्तान को जाने वाले पानी को पंजाब के डैम में डायवर्ट करे तो पंजाब को आगे सप्लाई देने में कोई हर्ज नहीं है।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य, पाक पर सख्त रुख

मुंबई

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आईं तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं।

यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ।

पाकिस्तान को सीधे तौर पर संबोधित करते हुए शोशनी ने कहा, पाकिस्तान को कश्मीर में उसकी ओर से हो रही आतंकी गतिविधियों से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति की भी सराहना करते हुए कहा, भारत बहुत ही कुशलतापूर्वक और चतुराई से कूटनीतिक मोर्चे पर काम कर रहा है।

इजराइली राजनयिक के इस बयान ने भारत-इजराइल के घनिष्ठ संबंधों को एक बार फिर मजबूती से रेखांकित किया है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लगातार एकजुटता दिखाई है।

कनाडा में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत पर उच्चायोग ने दुख जताया

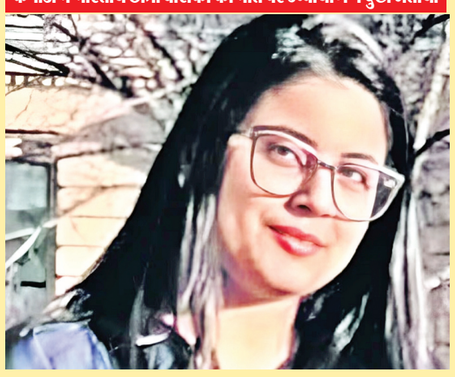

कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रा वंशिका सैनी की मौत पर दुख जताया है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, ओटावा में भारत की छात्रा वंशिका की मौत की सूचना पाकर हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि वंशिका ढाई साल पहले भारत से कनाडा पढ़ाई के लिए आई थी। वह ओटावा में एक शैक्षणिक संस्थान में स्टडी कर रही थी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद पर पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई

न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में सोमवार को आतंकवाद के शिकार संघों के नेटवर्क की समारोहपूर्वक स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजन पटेल ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाते हुए उसकी निंदा की।

योजना पटेल ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार में लिप्त होने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का प्रयास किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया ने हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और धन देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए सुना है। योजना पटेल ने कहा कि यह खुला कुबूलनामा अब आश्चर्यचकित नहीं करता बल्कि पाकिस्तान को एक दुष्ट राज्य के रूप में उजागर करता है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। दुनिया अब और आंखें नहीं मूंद सकती। संयुक्त राष्ट्र की न्यूज वेबसाइट के अनुसार, यह नेटवर्क सितंबर 2022 में आयोजित आतंकवाद के पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कांग्रेस का महत्वपूर्ण परिणाम है। इस मौके पर आतंकवाद-रोधी मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने राष्ट्रीयता, जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और उनके साहस और लचीलेपन को श्रद्धांजलि दी। स्पेन के विदेशमंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ब्यूनो, आतंकवाद पीड़ितों के मित्रों के समूह के सह अध्यक्ष अब्बास कदोम ओबेद अल-फतलावी और युगांडा की ग्रेस एकन ने भी विचार रखे।

गाजियाबाद नगर निगम ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के जरिए जल प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाई

नई दिल्ली

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत गाजियाबाद (उप्र) ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड को सफलतापूर्वक जारी करके संधारणीय बुनियादी ढांचे और शहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इससे अत्याधुनिक तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) के विकास के लिए 150 करोड़ जुटाए गए हैं।

आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह सिर्फ़ एक और बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो गाजियाबाद की अपने नागरिकों के लिए एक संधारणीय भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निधियों को एक उन्नत टीएसटीपी के विकास की दिशा में निर्देशित किया गया है, जो एक अत्याधुनिक सुविधा है। इसे अभूतपूर्व पैमाने पर अपशिष्ट जल का उपचार और पुनः

उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड ने भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक नया अध्याय लिखा, जो शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए एक संधारणीय मॉडल प्रदान करता है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के समर्थन से यह परियोजना सिर्फ़ एक जल उपचार सुविधा से कहीं अधिक है। यह भारत भर के भविष्य के शहरों के लिए वित्तीय अनुशासन को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ने का खाका है।

इस पहल के केंद्र में तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) है, जो एक तकनीकी चमत्कार है, जो माइक्रोफिल्ट्रेशन, अल्ट्राफिल्ट्रेशन, नैनोफिल्ट्रेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) सहित उन्नत मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीकों का उपयोग करता है। ये अत्याधुनिक तकनीकें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करती हैं कि उपचारित पानी उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे यह औद्योगिक प्रक्रियाओं में पुनः उपयोग के लिए उपयुक्त हो जाता है। 40 एमएलडी की उपचार क्षमता के साथ टीएसटीपी एक विशाल 95 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो गाजियाबाद में 1,400 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को उपचारित पानी पहुंचाता है। यह प्लांट सुनिश्चित करता है कि अपशिष्ट जल अब बर्बाद न हो, बल्कि इसके बजाय एक मूल्यवान संसाधन में बदल जाए, जो शहर के औद्योगिक क्षेत्र का समर्थन करता है। इससे मीठे पानी के स्रोतों पर निर्भरता कम होती है।

टीएसटीपी को पब्लिक-प्राइवेट हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत विकसित किया गया था, जिसमें 40प्रतिशत नगरपालिका निधि थी। इस सार्वजनिक-निजी भागीदारी दृष्टिकोण ने वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करते हुए परियोजना के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने में मदद की। ग्रीन बॉन्ड जारी करने के माध्यम से 150 करोड़ रुपये जुटाने में गाजियाबाद नगर निगम की सफलता ने शहर के सतत दृष्टिकोण में निवेशकों के विश्वास को प्रदर्शित किया और शहरी स्थानीय निकाय में वित्तीय पारदर्शिता और अनुशासन का एक नया स्तर लाया है। वेस्ट सफ़ोक कॉलेज, इंग्लैंड के 22 छात्रों और 4 संकाय सदस्यों की एक टीम ने एक्सपोज़र विजिट के हिस्से के रूप में गाजियाबाद नगर निगम का दौरा किया। टीम ने टीएसटीपी प्लांट और अन्य नगर निगम परियोजनाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

ब्रीफ न्यूज़

सुलतानपुर से मुंबई के मध्य समर स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से होकर गुजरेगी

जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से सुलतानपुर जंक्शन-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सुलतानपुर जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 08-08 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। सुलतानपुर जंक्शन-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सुलतानपुर जंक्शन साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन (16 सेवाएं) गाड़ी संख्या 04212 सुलतानपुर-एलटीटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 05 मई से 23 जून 2025 तक प्रत्येक सोमवार को सुलतानपुर जंक्शन स्टेशन से भोर 04:00 बजे प्रस्थान कर, बीना शाम 17:30 बजे, रानी कमलापति रात 20:00 बजे, इटारसी 22:20 बजे पहुँचकर, अगले दिन अन्य स्टेशनों से होते हुए मंगलवार दोपहर 14:00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। (08 ट्रिप) गाड़ी संख्या 04211 एलटीटी-सुलतानपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 06 मई से 24 जून 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से शाम 16:35 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी सुबह 06:00 बजे, रानी कमलापति 07:45 बजे, बीना 10:50 बजे, पहुँचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए बुधवार रात्रि 23:00 बजे सुलतानपुर जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी। (08 ट्रिप) ठहराव:- लखनऊ, कानपूर सेन्ट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, खण्डवा, भुसावल, नासिक रोड, कल्याण एवं ठाणे।

अप्रैल माह में बैलास्ट क्लीनिंग मशीन की उपयोगिता का प्रतिशत भारतीय रेल में अव्वल

जबलपुर। भारतीय रेलवे में रेलवे ट्रैक मेन्टेनेंस के लिए भी मॉर्डन टेक्नोलॉजी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप रेल गति एवं एक्सल लोड की क्षमता में वृद्धि हो रही है। रेल ट्रैक को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। साथ ही गुणवत्तायुक्त रखरखाव के लिए आधुनिक तकनीक की मशीनों के इस्तेमाल से संरक्षा में वृद्धि हुई है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा नई आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। इन नई तकनीक की आधुनिक मशीनों के द्वारा रेल ट्रैक के रखरखाव से संबंधित

अनेकों प्रकार के कार्य सरलता से किये जाते हैं। इन नई तकनीक की मशीनों के द्वारा कार्य में लागत अत्यधिक कम आती है, और रेल ट्रैक की भारी संरचना के कार्य को भी सरल एवं सुरक्षित तरीके से सम्पादित किया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल में पाँच प्रकार की टैम्पिंग मशीन को उपयोग कर रेलवे ट्रैक का रखरखाव उच्च तकनीक से किया जा रहा है। जिसमें 3/सीएसएम/ डब्ल्यूएसटी/एमपीटी मशीनों, बीसीएम मशीन, टी-28 मशीन (टर्नआउट रिन्युअल मशीन), यूएनआईएमएटी मशीन (टर्नआउट टैम्पिंग मशीन) एवं एफआरएम (शोल्डर ब्लास्ट क्लीनिंग मशीन) मशीन शामिल है। जिसमें 3, सीएसएम, डब्ल्यूएसटी एवं एमपीटी मशीनों के द्वारा मेन ट्रैक का अनुरक्षण कार्य किया जाता है। जबकि बैलास्ट क्लीनिंग मशीन (बीसीएम) से ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग कार्य किया जाता है। बैलास्ट क्लीनिंग मशीन (बीसीएम) की उपयोगिता के मामले में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में पश्चिम मध्य रेल सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में सर्वोच्च स्थान पर है। 01 अप्रैल 2025 से 28 अप्रैल 2025 तक की अवधि में बैलास्ट क्लीनिंग मशीन (बीसीएम) की उपयोगिता का प्रतिशत 78 % रहा जो संपूर्ण 17 क्षेत्रीय रेलों में प्रथम स्थान पर है। जबकि पूर्व रेलवे दूसरे स्थान पर एवं ईस्ट कोस्ट रेलवे तीसरे स्थान पर रही।

शब्दाक्षर दिल्ली का कवि सम्मेलन सम्पन्न

कोलकाता/दिल्ली। रविवार को 'शब्दाक्षर दिल्ली समिति' के द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में देश के श्रेष्ठ कवियों एवं

कवयित्रियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, और अपने छंद, गीत, गजल, कविताओं से सबका मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकारा रजनीश गोयल 'दीदी' जी मुख्य अतिथि, विवेकानंद शर्मा जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष 'शब्दाक्षर' रवि प्रताप सिंह (कोलकाता) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम प्रारूपबद्ध हुआ। आरंभ में अतिथियों का स्वागत किया गया। शब्दाक्षर दिल्ली समिति के उपाध्यक्ष संगम तीर्थराज के द्वारा माँ शारदे की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, साथ ही 'शब्दाक्षर गीत' को बड़े मधुर स्वर में कवयित्री नीलम उपाध्याय एवं अर्थ मंत्री अम्बिका मोदी ने प्रस्तुत किया, साथ ही दोनों ने कार्यक्रम का कुशल संचालन भी किया। बतौर कवि ललित मोहन जोशी के बेहतरीन काव्य पाठ से कार्यक्रम का आगाज हुआ। काव्य पाठ करने वाले रचनाकारों में बबीता किरण, आदित्य भट्टर, नीलम उपाध्याय,विभु राज, रमाशंकर भारती, पायल, दीप्ति अग्रवाल एवं डॉ.अभिषेक आदि शामिल थे।

थाने के बैरक में घुसकर बदमाश ने हेड कांस्टेबल को मारी गोली, मचा हड़कंप

सतना। सतना के जैतवारा थाना में एक बदमाश ने बैरक में घुसकर हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी, जिससे उनकी हालत गंभीर है। आरोपी अच्छू शर्मा की तलाश जारी है। एमपी में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद हैं हालात ये है कि अब वो कहीं भी और कहीं भी संगीन वारदात अंजाम देने से परहेज नहीं कर रहे हैं। बेपटरी हुई कानून-व्यवस्था के चलते बीते महीने मऊगंज में पुलिस पार्टी पर हमला हुआ था। अब ताजा मामला सतना के जैतवारा थाना से सामने आया है, जहां एक बदमाश ने थाने में बैरक के अंदर घुसकर हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। जानकारी के मुताबिक, जैतवारा थाना के मुंशी प्रिंस गर्ग ड्यूटी के बाद खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक नकाबपोश बैरक में घुस गया, इससे पहले कि मुंशी कुछ समझ पाते बदमाश ने कट्टे से गोली चला दी। गोली पुलिसकर्मी के कंधे में लगी है, गोली मारने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। घायल हेड कॉन्स्टेबल को आनन फानन में उनके साथियों द्वारा इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

नरसिंहपुर में सैनिक स्कूल खोलने रक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

मंत्री प्रहलाद पटेल के भतीजे के नाम पर पीपीपी मोड पर होगा संचालन

दीनबन्धु, नरसिंहपुर।
dinbandhunews.com

नरसिंहपुर के सैनिक स्कूल का प्रस्तावित भवन मप्र में एक और सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। नरसिंहपुर में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के दिवंगत भतीजे मणिनागेन्द्र सिंह के नाम पर यह सैनिक स्कूल खोला जाएगा। रक्षा मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी संजय कुमार की ओर से सैनिक स्कूल का अनुमति पत्र जारी किया गया है।

पीपीपी मोड पर चलेगा सैनिक स्कूलः पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने बताया नरसिंहपुर में सैनिक स्कूल पीपीपी यानि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर खोला जाएगा। अगले शैक्षणिक सत्र यानि 2026 से संभवतः प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सैनिक स्कूल के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। बीते 25 अप्रैल को दिल्ली में प्रहलाद पटेल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से

मुलाकात की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले थे प्रहलाद पटेल पिछले हफ्ते शुक्रवार को दिल्ली में मप्र के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान प्रहलाद पटेल ने राजनाथ सिंह से नरसिंहपुर जिले के श्रीधाम (गोटेगांव) में सैनिक स्कूल की मंजूरी दिलाने की मांग रखी थी। मुलाकात के हफ्ते भर के भीतर ही सैनिक स्कूल की मंजूरी मिल गई है। नरसिंहपुर में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन सैनिक स्कूल के भवन का निर्माण करा रहा है।

एंट्रेंस एग्जाम के बाद 6वीं कक्षा में मिलेगा प्रवेशः सैनिक स्कूल में दाखिले के लिए सैनिक स्कूल संस्थान की ओर से कराए जाने वाले एंट्रेंस एग्जाम में पास हुए बच्चों को कक्षा छह में दाखिला मिलेगा। हालांकि, फीस स्ट्रक्चर स्कूल की प्रबंधकारिणी समिति तय करेगी।

पीपीपी मोड पर मप्र का छठवां सैनिक स्कूलः नरसिंहपुर में खुलने वाला मणिनागेन्द्र सिंह सैनिक स्कूल मप्र में पीपीपी मोड पर खुलने वाला छठवां सैनिक स्कूल होगा। चार साल पहले मंदसौर में पीपीपी मोड पर पहला सैनिक स्कूल शुरू किया गया था। मंदसौर के अलावा खरगोन, कटनी, नर्मदापुरम में भी पीपीपी मोड पर सैनिक स्कूलों की मंजूरी मिल चुकी है। अब नरसिंहपुर के साथ ही नीमच में भी सैनिक स्कूल शुरू होगा।

धर्म-संरक्षक देव-परशुराम जी

विष्णुदेव के दिव्यतम,थे छठवें अवतार।
परशुराम जी को नमन ,रचा धर्म का सार।।
मातु रेणुका लाल थे,जमदग्नि मुनि के ताप।
संहारा नित पाप को,हरा सकल अभिशाप।।
भग्न हुआ शिव का धनुष, परशुराम जी क्लांत।
पर प्रभु रघुवर का विनय,देव हुए तब शांत।।
मार अधर्मी यह धरा,कर दी थी निष्पाप।
परशुराम के तेज को,कौन सकेगा माप।।
अंधकार में कर दिया,जिसने तो उजियार।
परशुराम जी की सदा,बोलो सब जयकार।।
अमर चिरंजीवी बने,शौर्य,दिव्यता मान।
संतों के रक्षक सदा,हर द्विज के अरमान।।
परशुराम जी की कथा,लगती मंगल गान।
सदा सनातन के लिए,भाव भरे अरमान।।
परशुराम जी ने किया,नित अधर्म-संहार।
किया सदा संस्कार को,मुनिवर ने अति प्यार।।
शिव के धनु से था बहुत,जिसको तो अनुराग।
शिव श्रद्धामय नित रहे,भाव रहे नित जाग।।
आज जयंती हर्षमय,मंगलमय है काल।
दिवस बहुत शुभ लग रहा,सबको करे निहाल।।

प्रो शरदनारायण खरे

नाबालिक से दुष्कर्म करने पर आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं अर्थ दंड

दीनबन्धु, सारंगपुर
dinbandhunews.com

न्यायालय प्रथम अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश महोदय सारंगपुर पीठासीन अधिकारी श्री चितेंद्र सिंह सोलंकी ने न्यायालय में प्रचलित प्रकरण क्रमांक 58/2024 धारा 363 366 ए 343 376-3 376 -2-एन 506 भारतीय दंड संहिता में अभियुक्त कमल सिंह पिता सिद्धू लाल मालवीय निवासी ग्राम पिपलियातवकुल थाना तलेन जिला राजगढ़ को 20 वर्ष का कारावास एवं 8000 जुमार्ना से दंडित किया घटना की जानकारी देते हुए अतिरिक्त लोक अभियोजक शिव प्रसाद शर्मा ने बताया कि घटना दिनांक14 3.2024 को पीड़िता के पिता ने इस आशय की रिपोर्ट लिखाई की पीड़िता एवं उसके पोती की लड़की घर पर थी वह मजदूरी करने के लिए बाहर गया था शाम करीब 5:00 बजे उसके भाई के लड़के का फोन आया कि पीड़िता घर पर नहीं है वह खेत से घर आया तब उसने देखा कि पीड़िता घर पर नहीं थी उसने आसपास तलाश किया किंतु पीड़िता का कहीं पता नहीं चला फिर उसके द्वारा थाने में जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई पुलिस ने दिनांक 3 -4- 2024 को भाटा गांव चौक रायपुर छत्तीसगढ़ से अभियुक्त कमल सिंह के कब्जे से पीड़िता को दस्तयाब किया घटना के समय पीड़िता की आयु 16 वर्ष से कम थी पीड़िता ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वह अपनी मम्मी को चाय देने जा रही थी तभी कमल आया और उसे बहला-फुसलाकर कर सीहोर ले गया सीहोर से ट्रेन में बिठाकर रायपुर छत्तीसगढ़ ले गया कमल सिंह ने रायपुर छत्तीसगढ़ में एक कमरा किराए से लेकर उसे 20 दिन तक अपने साथ रखा तथा कमल सिंह ने उसकी मर्जी के बिना उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया पुलिस ने कमल सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालयमें पेश किया उक्त प्रकरण में अभियोजन की ओर से कुल 14 गवाहों के बयान न्यायालय में करवाये पीड़िता के बयान एवं मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 8000 जुमार्ना के दंड से दंडित किया न्यायालय ने पीड़िता को मध्य प्रदेश पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के अंतर्गत प्रतिकर प्रदान किए जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजगढ़ को अनुशंसा की शासन की ओर से उक्त प्रकरण में पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक शिवप्रसाद शर्मा ने की।

सफल आयोजन के लिए मंत्री टेटवाल ने भाजपा कार्यकताओं का किया आभार व्यक्त

दीनबन्धु, सारंगपुर
dinbandhunews.com

नगर में कपिलेश्वर प्रांगण 28 अप्रैल प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की लोकार्पण एवं भूमि पूजन के ऐतिहासिक आयोजन के लिए प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ गौतम टेटवाल और क्षेत्र की जनता को लख-लख बधाइयां देते हुए कहा कि इतनी तेज गर्मी और शादियों का सीजन होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में आम जन का ऐसे भव्यऔर दिव्य कार्यक्रम में उपस्थित होना जनमानस का भारतीय जनता पार्टी

डॉ,मोहन यादव और डॉ, गौतम टेटवाल के प्रति अपने प्यार और स्नेह को दशार्ता है हजारों की संख्या में उपस्थित जनमानस कपिलेश्वर धाम के विकास रंग रोगन जल संवर्धन और गौ सेवा गोवर्धन पूजा के समागम में शामिल होकर विकास की गंगा के साक्षी बने है आने वाले समय में किए गए विकास कार्यों के भूमि पूजन और घोषणाओं के पूर्ण होने पर सड़क बिजली पानी की समस्या से हम सबको निजात मिल पाएगी। इस भव्य और दिव्य कार्यक्रम के लिए डॉ. गौतम टेटवाल ने आयोजित कार्यक्रम में तन मन से सहयोग करने वाले भाजपा के देव तुल्य कार्यकर्ता एवं सारंगपुर विधानसभा के आमजन जिले भर के शासकीय विभाग के अधिकारी माताओं बहनों सहित कार्यक्रम में सहयोग करने वाली सभी टीम के साथ-साथ हजारों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को बहुत-बहुत बधाइयां और आभार व्यक्त किया।

सागर सांसद लता गुड्डू वानखेडे के प्रयास रंग लाए

एक हफ्ते के भीतर उत्तर और दक्षिण जाने के लिए मिली सीधी ट्रेन

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

सागर सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेडे के प्रयासो से एक हफ्ते के भीतर सागर लोकसभा क्षेत्र के यात्रियों को दक्षिण और उत्तर भारत आने-जाने के लिए सीधी ट्रेन मिल गई है जिसके मिलने से वर्षों से चली आ रही क्षेत्र वासियों की मांग को काफी हद तक सफलता मिली है इस सफलता के पीछे सागर सांसद के लगातार प्रयास, लोकसभा क्षेत्र से लगे हुये क्षेत्रों के सांसदों से बेहतर समन्वय और क्षेत्रवासियों की मांग को प्रभावी तरीके से रेलमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से मांग का प्रस्तुतिकरण का परिणाम है कि 24 अप्रैल को रीवा से चर्लपल्ली (हैदराबाद) के लिए साप्ताहिक ट्रेन चालू हुई ही थी कि अब 01 मई को दुर्ग से चलकर लाल कुआं नैनीताल तक

पुनः एक साप्ताहिक ट्रेन प्रारंभ हो रही है, जिससे अब क्षेत्रवासियों को सीधी दक्षिण भारत और उत्तर भारत आने-जाने के लिए सीधी रेल सुविधा मिल गई है।

नपा के तीन कर्मचारी हुए सेवानिवृत

नगरपालिका हमेशा कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखती हैः नीतू यादव

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

नगरपालिका कार्यालय से आज तीन कर्मचारी एआरआई भूपेंद्र तोमर, सुरेश केवट और भोलाराम सेवानिवृत्ति हो गए। सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान कर्मचारियों को पुष्पमाला से स्वागत कर साथी कर्मचारियों ने दीघार्यु और उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में नपाध्यक्ष नीतू यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव द्वारा उनको उपहार दिए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए करते हुए नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि नगरपालिका हमेशा से ही कर्मचारियों के हितों की रक्षा करती आ रही है। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए समय समय पर उन पर ध्यान दिया जाता है। आप सभी आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं आगे का जीवन अपने परिवार के साथ सुखदपूर्वक बिताएं। मुख्य नगरपालिका

अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने संबोधित करते हुए कहा कि आप नगरपालिका से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जब भी आपकी सेवाओं की जरूरत होगी तब नगरपालिका प्रशासन द्वारा आपकी सेवाएं ली जाएंगी। नगरपालिका प्रशासन उज्जवल भविष्य की कामना करता है। आप अपने परिवार के साथ सुखमय जीवन व्यतीत करें। विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव ने कहा कि जब से नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने पदभार ग्रहण किया है तब से कर्मचारी हितैषी कार्य किए जा रहे हैं। उनके पदभार ग्रहण करते ही जो भी कर्मचारियों को समस्या थी उनका निराकरण प्राथमिकता से किया गया है। कर्मचारियों को हरसंभव मदद करने हेतु तैयार रहते हैं। नगरपालिका के सभी कर्मचारियों को मैं व्यक्तिगत रूप से पहले से जानता हूं। सेवानिवृत्त के बाद आप सुखमय जीवन व्यतीत करें यही कामना है। कार्यक्रम का संचालन एआरआई सुनील अवस्थी ने किया एवं कार्यक्रम का आभार कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने माना। इस अवसर पर नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सर्व ब्राह्मण समाज निकलेगा परशुराम जन्मोत्सव पर आज शोभा यात्रा

दीनबन्धु, धार
dinbandhunews.com

सर्व ब्राह्मण समाज धार द्वारा परशुराम जयंती के दो दिवसीय कार्यक्रम अंतर्गत मंगलवार को प्राकृतिक वात्सल्य गौशाला पहुंचकर गौ माता का पूजन किया और गुड़ खिलाया । परशुराम जयंती पर आयोजित को पूजा के कार्यक्रम में युवा और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया सर्वप्रथम गौशाला में शब्द मिलकर गौ माता के स्थान की सफाई की। ब्राह्मण समाज के कई दानदाताओं ने गौ माता के लिए भूसा और दवाइयां भी दान करने की घोषणा कर दी की इस अवसर पर उपस्थित ब्राह्मण जन संकल्प लिया कि प्रतिदिन पहली रोटी गौ माता के लिए निकलेंगे

उसके बाद भोजन ग्रहण करेंगे। उपस्थित संतो ने गोमाता की महिमा बताते हुए कहा कि अगर आपने गाय माता की सेवा तो सभी देवी देवता प्रसन्न रहेंगे । इस पुनीत अवसर पर गो संरक्षण पर कार्य करने वाले पं. विश्वास शर्मा ,संयम , भावेश, शुभराज, कुलदीप, वंश गौसेवा का कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान किया। का स्वागत भी किया गया अंत में गौ माता की आरती कर प्रसादी वितरण की गई । कार्यक्रम में विशेष रूप से सर्व ग्रामीण समाज अध्यक्ष पंडित विश्वास पांडे कार्यकारी अध्यक्ष पंडित धर्मेंद्र जोशी, ऋषि भार्गव, डॉ अशोक शास्त्री, गोटू शुक्ला, प्रवीण शर्मा, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी,राजेश शर्मा,गोटू शुक्ला,छोटू शास्त्री, ब्रजकिशोर बोड़ा,,राजेश वैद्य,अविनाश दुबे,जितेंद्र पांडिया,संतोष राजपुरोहित,तरुण जोशी,आलेख दुबे,सूर्या दुबे, देवेंद्र रावल,,संजीव व्यास,लालू यादव,प्रमिला शर्मा,ममता जोशी,मीना दुबे,प्रतिभा शर्मा,रीता घोड़गांवकर,नेहा दुबे,मुस्कान दुबे,हर्षिता शर्मा,समृद्धि शर्मा आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी पं. ज्ञानेंद्र त्रिपाठी द्वारा दी गई। उक्त जानकारी देते हुए श्री त्रिपाठी ने बताया कि सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव आज 30 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को प्रकृति वात्सल्य गोशाला में गो पूजन किया गया। वही आज 30 अप्रैल को अक्षया तृतीया पर सुबह 9:00 बजे धारेश्वर मंदिर प्रांगण में 151 ब्राह्मण जोड़ो द्वारा रुद्राभिषेक किया जाएगा। वहीं दोपहर 12:00 बजे बसंत विहार कॉलोनी स्थित परशुराम मंदिर में आरती की जावेगी। शाम 5:00 बजे धारेश्वर मंदिर प्रांगण से भव्य शोभा यात्रा शनिगली, जवाहर मार्ग, धान मंडी चौराहा होते हुए लालबाग परिसर में संपन्न होगी जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधु शामिल होंगे। शोभा यात्रा पश्चात महा आरती होगी एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

जल जीवन मिशन में घोटाला, कार्यपालन यंत्री बरकड़े सस्पेंड

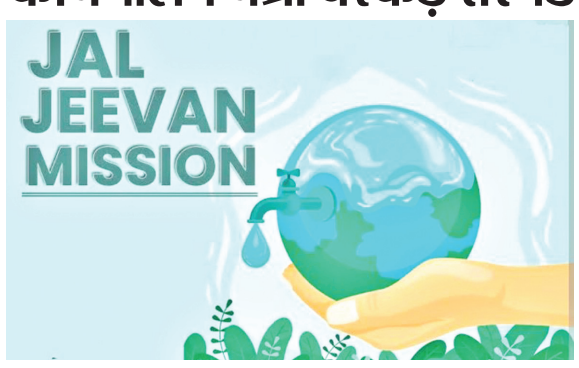

भोपाल। जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं में भारी गड़बड़ियों की गूंज अब शासन के गलियारों तक पहुंच गई है। मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीधी जिले के कार्यपालन यंत्री त्रिलोक सिंह बरकड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

22 अप्रैल 2025 को जल जीवन मिशन के कामों की समीक्षा बैठक में खुलासा हुआ कि सीधी जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाएं सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। ÷हर घर जल÷ योजना में स्थल निरीक्षण एवं अनुमोदन प्रक्रिया में अनियमितता, अपारदर्शिता और लापरवाही उजागर हुई। रिपोर्ट ने शासन को झकझोर कर रख दिया।

राज्य शासन के आदेश में साफ लिखा है कि बरकड़े द्वारा की गई लापरवाही योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावित कर रही थी, जिससे शासन की छवि धूमिल हो रही थी। इसी आधार पर उन्हें मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। यह आदेश राज्य शासन द्वारा जारी किया गया है, अपर सचिव अभिषेक सिंह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आदेश में उल्लिखित है कि निलंबन अवधि में उन्हें जल जीवन मिशन, जबलपुर परिक्षेत्र कार्यालय से संबद्ध किया गया है और उन्हें मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम बोले- लीप पोर्टल की लॉन्चिंग उद्यमियों के लिए क्रांतिकारी

लघु उद्योग भारती ने मनाया 32वां स्थापना दिवस, 27 राज्यों में संगठन एक्टिव

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लीप पोर्टल की लॉन्चिंग देश और प्रदेश के उद्यमियों के लिए एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगी।भोपाल के ग्लोबल स्किल सेंटर में मंगलवार को लघु उद्योग भारती का 32वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री वर्चुअली जुड़े थे। इस मौके पर एमएसएमई विकास नीति 2025 पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बताया गया कि इस नीति में पहली बार सर्विस सेंटर्स को शामिल किया गया है। साथ ही, नीति में कई बदलाव किए गए हैं ताकि प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। इस नई नीति के तहत निवेशकों को जमीन, टैक्स और बिजली जैसी सुविधाओं पर भारी रियायतें प्रदान की जाएंगी। वहीं, सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए लीप पोर्टल लॉन्च किया गया। यह लघु उद्योग के प्रोडक्ट्स को ग्लोबल मार्केट तक पहुंचाने में मदद करेगा। यह पोर्टल लघु उद्योग भारती के सदस्यों के लिए निःशुल्क रहेगा।

भारत के 27 राज्यों और 52 जिलों में एक्टिव

कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चैतन्य कश्यप, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल समेत संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और कई सरकारी संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए उद्यमियों ने भाग लिया।

लघु उद्योग भारती की स्थापना साल 1994 में हुई थी। यह संगठन नवाचार, स्टार्टअप्स और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। ये भारत के 27 राज्यों और 52 जिलों में एक्टिव है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क की नई गतिविधियों का अनावरण

इस मौके पर ग्लोबल स्किल्स पार्क में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कई नई गतिविधियां भी शुरू की गईं। इनमें पार्क का एंथम और नया एडमिशन ब्रोशर शामिल है। यह भारत का पहला ऐसा स्किल्स पार्क है, जहां युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्किल्स सिखाई जाएंगी। यहां आईटीआई पास और टेक्निकल एजुकेशन प्राप्त करने वाले युवाओं को नौकरी के लिए तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, उद्यमिता, ट्रेनर की ट्रेनिंग और और रिसर्च पर भी काम होगा।

10 से 125 करोड़ तक के निवेश पर

भूमि पर 25प्रतिशत तक की छूट, SGST का 80प्रतिशत रिफंड, बिजली शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, प्रत्येक रोजगार देने पर रू. 35,000 की सहायता, 125 करोड़ से अधिक के निवेश पर, भूमि पर 40 प्रतिशत तक की छूट, अनुसंधान के लिए रू.2.5 करोड़ तक की सहायता, उपरोक्त सभी लाभ भी लागू होंगे

इनको मिलेगा खास फायदा

महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/जनजाति के निवेशक
स्टार्टअप्स, टूरिज्म, आईटी और बायोटेक कंपनियां
इनको मिलेगा विशेष लाभ :-

महिला उद्यमी

अनुसूचित जाति/जनजाति के निवेशक, स्टार्टअप्स, पर्यटन, आईटी और बायोटेक कंपनियां, कार्यक्रम में एमएसएमई विकास नीति 2025 पर चर्चा की गई।

अयोध्या बायपास चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू होगा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhun

भोपाल में रत्नागिरी से आशाराम तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबे अयोध्या बायपास मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू होगा। इस मार्ग की चौड़ीकरण की लागत 836 करोड़ रूपये है। इसे 2 वर्ष की समयावधि में पूरा किया जायेगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय निर्माण एजेंसी एनएचएआई के अधिकारियों और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण के दौरान आने वाली किसी भी कठिनाई के निराकरण के लिये अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें। कठिनाई का तुरंत निराकरण किया जायेगा। इस कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए, 2 वर्ष की तय समय-सीमा में तैयार किया जाना चाहिए।

कटने वाले पेड़ों के स्थान पर 4 गुना से अधिक पेड़ लगायेंगे

बैठक में बताया गया कि अयोध्या बायपास चौड़ीकरण में आने वाले पेड़ों को हटाया जायेगा। हटाये जाने वाले पे ?ों के स्थान पर हटाये गये पेड़ों की संख्या के 4 गुना से अधिक पेड़ लगाये जायेगें। प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री नरवाल ने बताया कि स ?क चौड़ीकरण में आने वाले विद्युत पोल और पाइप लाईन आदि को समय पर शिफ्ट किया जायेगा। बैठक में आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण, रत्नागिरी तिराहे पर मेट्रो रेल फ्लाई ओवर निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण के लिये भूमि अधिग्रहण के कार्य को अगले एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिये।

भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत विचार गोष्ठी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरूण चुघ एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारत रत्न, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत विचार गोष्ठी को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश के महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी, श्री हरिशंकर खटीक, प्रदेश महामंत्री श्री सरदेन्दू तिवारी, प्रदेश मंत्री व विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, महापौर श्रीमती मालती राय, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव व जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति उपस्थित रहे।

विकास और जनकल्याण को समर्पित मध्यप्रदेश

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कार्यक्रम

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में
85 लाख से अधिक किसानों को ₹ 1704.94 करोड़

27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को
₹ 600 करोड़ का अंतरण

₹ 1870 करोड़ की धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं
विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती सावित्री ठाकुर
राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

30 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे | उमरबन, जिला धार

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
jansamparkMP

D-11018/25

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578